बर्षः- 05
अंकः- 327
मुरादाबाद
(Monday)
23 March 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
मुरादाबाद से प्रकाशित
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

जल पृथ्वी के भविष्य को आकार देता हैः विश्व जल दिवस पर PM मोदी ने दी शुभकामनाएं, हर बूंद पानी की बताई अहमियत

आज विश्व जल दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता को शुभकामनाएं दी और पानी को जीवन और पृथ्वी के भविष्य का आधार बताया। उन्होंने हर नागरिक से अपील की कि हर बूंद की कीमत समझें और जल का जिम्मेदारी से उपयोग करें। आज दुनियाभर में जल दिवस के रूप में मनाया जा रहा है और इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता को शुभकामनाएं दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि पानी केवल जीवन का आधार नहीं, बल्कि पृथ्वी के भविष्य को आकार भी देता है। पीएम मोदी ने सभी लोगों

से अपील की कि हर बूंद की कीमत समझना हमारी जिम्मेदारी है और इसे बचाना हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि आज का दिन उन लोगों को भी सलाम करने का अवसर है, जो सतत प्रथाओं, जागरूकता और संरक्षण के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा कि विश्व जल दिवस पर आइए हम हर एक बूंद पानी को बचाने और जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने का संकल्प दोहराएं। उन्होंने जनता से अपील की कि जल का सुरक्षित, जिम्मेदारी और सतत तरीके से इस्तेमाल करें। पीएम मोदी ने अपने पोस्ट में इस बात पर भी जोर दिया कि आज का दिन उन लोगों को सम्मानित करने का भी अवसर है, जो सतत् प्रथाओं को अपनाते हैं, जागरूकता फैलाते हैं और संरक्षण की संस्कृति को बढ़ावा देते हैंविश्व जल दिवस क्यों मनाया जाता है?

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, विश्व जल दिवस का मुख्य उद्देश्य सतत विकास लक्ष्य 6 को पूरा करना है, जिसका मकसद 2030 तक सभी के लिए सुरक्षित जल और स्वच्छता सुनिश्चित करना है। इस साल के विश्व जल दिवस अभियान में महिलाओं को पानी से जुड़े फैसलों में समान अधिकार, नेतृत्व और अवसर देने की जोरदार मांग की गई है। अभियान का उद्देश्य समाज में जल संरक्षण और समान भागीदारी की संस्कृति को बढ़ावा देना है।बता दें कि विश्व जल दिवस हर साल 22 मार्च को मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों में पानी के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना और जल संरक्षण की आदतें बढ़ाना है। दुनिया में बहुत सारे लोग अभी भी साफ पानी और स्वच्छता के अभाव में जूझ रहे हैं, और जल संसाधन लगातार घट रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने 1993 में यह दिन घोषित किया था ताकि- पानी का सही इस्तेमाल और संरक्षण को बढ़ावा दिया जा सके। लोग सतत जल प्रबंधन और स्वच्छता के महत्व को समझें। जल संकट और पानी से जुड़े पर्यावरणीय मुद्दों पर वैश्विक ध्यान खींचा जा सके। सरकारें और समाज मिलकर सभी के लिए सुरक्षित जल सुनिश्चित करने के उपाय करें।

संक्षिप्त समाचार

बिना ठोस कारण एफआईआर में देरी संदेह को देती है जन्म, उम्रकैद पाए तीन हत्यारोपियों की सजा रद्द

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि रंजिश पुरानी हो तो बिना ठोस कारण एफआईआर में देरी संदेह को जन्म देती है। कानूनन आरोपी संदेह का लाभ पाने का हकदार होता है।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि रंजिश पुरानी हो तो बिना ठोस कारण एफआईआर में देरी संदेह को जन्म देती है। कानूनन आरोपी संदेह का लाभ पाने का हकदार होता है। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति चंद्र धारी सिंह और न्यायमूर्ति देवेंद्र सिंह प्रथम की खंडपीठ ने हत्यारोपी इरफान, फहीम और सलीम को मिली उम्रकैद से बरी कर दिया।रामपुर की सत्र अदालत ने उन्हें दोषी करार देते हुए 2017 में सजा सुनाई थी। मामला रामपुर के भोट थाना क्षेत्र का है। आरोप लगा कि सात मार्च 2013 को मोहम्मद रफी की ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या हुई थी। आरोप लगा कि रंजिश में फहीम ने इरफान और सलीम के उकसाने पर जानबूझकर रफी पर ट्रैक्टर चढ़ाया। रामपुर की सत्र अदालत ने 2017 में तीनों को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ सभी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। लंबी सुनवाई के बाद लिखे 46 पन्नों के फैसले में कोर्ट ने मुख्य रूप से तीन बिंदुओं को आरोपों में संदेह का आधार बनाया। इसी आधार पर सभी आरोपियों की सजा रद्द करते हुए रिहा करने का आदेश दिया। संदेह के तीन आधार- 1. एफआईआर में 49 घंटे की देरी कोर्ट ने पाया कि घटना सात मार्च को सुबह हुई, जबकि रिपोर्ट नौ मार्च को दर्ज कराई गई।

सीएम योगी ने नर्सिंग अफसरों को दिए नियुक्ति पत्र; बोले- इस क्षेत्र में पढ़ाई करने वालों की मांग हमेशा रहती

यूपी में 1228 नर्सिंग अफसरों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। कानपुर, प्रयागराज समेत अलग अलग मेडिकल कॉलेजों में इन्हें तैनाती दी गई है। इससे स्वास्थ्य सुविधाएं और बेहतर होंगी।राजधानी लखनऊ में रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 492 नवचयनित नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपा। बाकी, 736 अभ्यर्थियों को 13 राजकीय मेडिकल कॉलेजों और दो चिकित्सा संस्थानों में आयोजित लाइव कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों द्वारा नियुक्ति पत्र दिए गए।

नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम लोकभवन में आयोजित हुआ।इस मौके पर सीएम योगी ने कहा नर्सिंग क्षेत्र ऐसा है, जहां पूरी गारंटी है, कि आपने इस क्षेत्र में पढ़ाई की है तो नौकरी मिलेगी है। इनकी डिमांड सिर्फ यूपी या भारत ही नहीं विदेशों में भी है। पिछले 9 वर्ष में यूपी में 81 मेडिकल कॉलेज हो गए हैं। 2017 से पहले नियुक्ति जो जाती थी, लेकिन डॉक्टर अस्पताल जाएं या ना जाएं, मरीजों को इलाज मिले या न मिले, किसी से कोई मतलब नहीं होता था। अब व्यवस्थाएं बदली हैं।

डबल इंजन की सरकार ने हेल्थ केयर को प्राथमिकता पर लिया- उन्होंने कहा कि जो एएनएम-जीएनएम कॉलेज पिछली सरकारों में बंद हो चुके थे, उन्हें हमने शुरू किया। 35 एएनएम कॉलेज और 31 नर्सिंग कॉलेज बेहतर किए गए। प्रदेश की डबल इंजन की सरकार ने हेल्थ केयर को प्राथमिकता पर लिया। पहले सब कुछ भगवान भरोसे चल रहा था। आज 14 करोड़ 28 लाख आभा आईकार्ड जारी किए गए हैं। 976 सीएचसी में टेली मेडिसिन की सुविधा दी जा रही है।

हमने एक जिला एक मेडिकल कॉलेज दिया- सीएम ने कहा कि पहले माफिया और सरकार पैरलल चलते थे। लेकिन, आज माफिया का सिस्टम खत्म हुआ है। हमने एक जिला एक मेडिकल कॉलेज दिया है। स्वास्थ्य सेवाएं और बेहतर होंगी- चिकित्सा शिक्षा विभाग के मुताबिक, इन नियुक्तियों से सरकारी मेडिकल कॉलेजों में स्वास्थ्य सेवाएं और बेहतर होंगी। यह भर्ती प्रक्रिया उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से पूरी की गई है। नवचयनित नर्सिंग अधिकारियों की तैनाती आगरा, कानपुर, प्रयागराज, मेरठ, झांसी, गोरखपुर, अंबेडकरनगर, कन्नौज, आजमगढ़, जालौन, सहारनपुर, बांदा और बदायूं के मेडिकल कॉलेजों के साथ जेके कैंसर संस्थान और हृदय रोग संस्थान, कानपुर में की जाएगी। चयनित अभ्यर्थियों में 1097 महिलाएं और 131 पुरुष शामिल हैं।

मायावती की अपील- चुनाव से पहले दिए जाने वाले लालच से बचे बहुजन समाज, नहीं तो बुरे दिनश बन जाएंगे पांच साल

बसपा सुप्रीमो मायावती ने लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में मध्य प्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ से आए नेता व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। वहीं, आगामी चुनाव के लिए रणनीति पर चर्चा की।बसपा सुप्रीमो मायावती ने रविवार को लखनऊ में मध्य प्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ से आए पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की और पूर्व बैठक में दिए गए उनके कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।इस दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बहुजन समाज को अपनी अस्मिता और सत्ता में आने के लिए एकजुट होना जरूरी है साथ ही चुनाव से पहले दिए जाने वाले प्रलोभनों से बचने की जरूरत है नहीं तो चुनाव बाद आने वाले दिन उनके लिए %बुरे

दिन% बन जाएंगे।उन्होंने कहा कि बसपा ने यूपी जैसे विशाल, महत्वपूर्ण व संवेदनशील राज्य में एक बार नहीं बल्कि अब तक चार बार सरकार चलाकर सर्वसमाज के जान, माल व मजहब के सुरक्षा की संवैधानिक गारंटी को कानून द्वारा कानून का राज स्थापित करके दिखाया है जो कि देश में किसी भी पार्टी की सरकार में देखने-सुनने को नहीं मिलता है।

इसके पहले मायावती ने 15 मार्च को बसपा संस्थापक कांशीराम का जन्मदिन धूमधाम से मनाए जाने पर कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया और साथ ही आगामी 15 अप्रैल को डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती भी बसपा के मिशनरी उद्देश्यों के साथ मनाने की अपील की है।

सपा ने महिलाओं का किया सम्मानः अखिलेश यादव बोले- बंगाल में दीदी जीतेंगी, यूपी में हम भाजपा से निपट लेंगे

राजधानी में सपा मुख्यालय में बेहतर काम करने वाली महिलाओं का सम्मान किया गया। ये सभी महिलाएं मूर्ति देवी-मालती देवी महिला सम्मान से सम्मानित हुईं। राजधानी लखनऊ में रविवार को सपा मुख्यालय में महिला सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। इसमें सपा मुखिया अखिलेश यादव भी मौजूद रहे। इस मौके पर अलग-अलग क्षेत्रों में बेहतर काम करने वाली महिलाओं को %मूर्ति देवी-मालती देवी महिला सम्मान% से सम्मानित किया गया। इस मौके पर सांसद डिंपल यादव ने कहा कि जब किसी देश की महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो देश आगे बढ़ता है। लेकिन, आज उल्टा हो रहा है। महिलाओं के साथ गलत भी हो रहा है और घटनाओं को दबाया भी जा रहा है। उन्होंने उत्तराखंड के अंकिता भंडारी केस का उदाहरण भी दिया। साथ ही सभी महिलाओं को अपने दम पर आगे बढ़ने

का हौसला दिया। समाज में ज्यादा तवज्जो पुरुष को मिलती है- अखिलेश इस अवसर पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने संघ परिवार ने बड़ी संख्या में अपने कार्यकर्ता पश्चिम बंगाल चुनाव में उतारे हैं। बूथ स्तर पर पैसे बांटे जा रहे हैं। अप्रैल में कार्यकर्ताओं की यही फौज यूपी में उतरेगी। बंगाल में भी दीदी जीतेंगी और यूपी में भी हम इनसे निपट लेंगे। चुनाव के समय मंत्रिमंडल विस्तार से भाजपा को कोई फायदा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि लोग बोलें या न बोलें लेकिन, जब बूथ पर जाएंगे तो सरकार को पता चल जाएगा। हम नाम तो पहले महिला का लेते हैं लेकिन समाज में ज्यादा तवज्जो पुरुष को मिलती है। यहां तक कि जब कोई पुरुष रोता है, तो लोग कहते हैं कि महिलाओं की तरह क्यों रोते हो? उन्होंने कहा कि जब हमने 1090 की सुविधा चलाई तो सुप्रीम कोर्ट ने भी तारीफ की थी। कहा था कि अन्य प्रदेशों को भी इससे सीखना चाहिए। उस समय अधिकारियों को हमने न्यूयार्क भेजा, कई अन्य देशों में भेजा, फिर हमने डायल 100 शुरू किया, जो सबसे अधिक रेस्पांस सिस्टम बना। हमने उसमें भी कॉल सुनने के लिए महिलाओं को रखा था, जो दूसरों की दुख तकलीफ समझ सकती हैं, यही सोचकर हमने महिलाओं की भर्ती की। सपा मुखिया ने कहा कि सबसे पहले नेताजी ने अपनी सरकार में कन्या विद्या धन देने की योजना शुरू की थी। अब जब हमारी सरकार बनेगी तो हम लोग रानी लक्ष्मी बाई और अन्य वीरांगनाओं के नाम पर महिलाओं के लिए योजना शुरू करेंगे। बिना आधी आबादी के हम देश को तरक्की के रास्ते पर नहीं ले जा सकते। इसलिए महिलाओं को आगे बढ़ाना जरूरी है।

केसी त्यागी रालोद में शामिल, दिल्ली में जयंत चौधरी ने दिलाई सदस्यता, वेस्ट की कई सीटों पर बदलेंगे समीकरण

जेडीयू का जाना-माना चेहरा रहे वरिष्ठ नेता केसी त्यागी दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय लोकदल में शामिल हो गए। उनके आने के बाद जहां रालोद को लाभ हो सकता है, वहीं पश्चिम की कई सीटों पर हलचल भी बढ़ेगी।वरिष्ठ राजनेता किशन चंद (केसी) त्यागी रालोद में शामिल हो गए हैं। दिल्ली में आयोजित कार्यकत में पार्टी अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह ने उन्हें रालोद की सदस्यता दिलाई। नौवीं लोकसभा में हापुड़-गाजियाबाद के सांसद रह चुके केसी त्यागी पिछले 26 वर्षों से जनता दल यूनाइटेड (जदयू) का हिस्सा थे। उनके रालोद में आने से वेस्ट यूपी की कई सीटों पर समीकरण बदल सकते हैं।जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पूर्व राज्यसभा सांसद केसी त्यागी ने नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद छोड़कर दिल्ली

जाने के निर्णय के बाद जदयू को अलविदा कहने का फैसला किया। उनका मानना है कि बिहार तक सीमित जदयू में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के नेता के लिए भविष्य में कोई विशेष भूमिका नहीं रह जाती। अपने लंबे राजनीतिक अनुभव और आपातकाल के समय जॉर्ज फर्नांडिस, लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार और रामविलास पासवान जैसे दिग्गजों के साथ काम करने के अनुभव के साथ केसी त्यागी ने पिछले 26 वर्षों में केंद्रीय राजनीति में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। नीतीश कुमार के राजनीतिक भविष्य को देखते हुए उनका रालोद में शामिल होना न केवल उन्हें सक्रिय राजनीति में बनाए रखने का एक प्रयास है, बल्कि यह पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उनकी एक और पारी खेलने का संकेत भी देता है। य दलों के सहारे की आवश्यकता पड़ती है। चौधरी चरण सिंह के बाद, उनके पुत्र चौधरी अजित सिंह और अब पौत्र जयंत चौधरी, जाट समुदाय के बीच वह मजबूत पकड़ बनाए रखने में संघर्ष कर रहे हैं, जो चौधरी चरण सिंह के समय थी।

संपादकीय Editorial

Something must change.

The crutches of issues often break due to friction, but it takes courage to take action. The budget session of the Legislative Assembly, meant to test the state's courage, is often wasted in a wasteful barrage of criticism. While the accounts may provide a clear account of the HRTC's condition, the sea of ??public expectations speaks volumes. MLA D.S. Thakur's question blew the lid off the entire situation. MLAs want to provide improved public transport services to the general public under their umbrella, but the economy has its own tricks. The issue isn't whether government bus routes should be operated in a certain proportion, but rather how to protect public enterprises from the perpetual penalties of losses. According to Leader of the Opposition Jairam Thakur, the public shouldn't be divided between the ruling party and the opposition, as Congress MLAs get whatever routes they desire. If the focus of the debate is on biblical routes, then the transport policy and public transport through the HRTC should be discussed in detail. This is also because reliance on public transport is declining. The number of private vehicles has increased, while taxi operations are also becoming an important alternative to direct transportation. Today, transportation needs are changing, and people have many options. However, given the state's geographical inaccessibility, government buses remain a key component of our sustainable development. The increasing number of private vehicles and taxi operations has increased traffic pressure, a problem that could be addressed through public transportation. On the other hand, the excessive exploitation of the HRTC has left this government enterprise facing a concerning financial imbalance. The government is forced to either close many unprofitable, unnecessary, and wasteful bus routes or hand them over to private players. HRTC incurs an annual loss of ?840 crore, while the cumulative loss has exceeded ?2,200 crore. This is why nearly 450 routes have been discontinued. Consequently, the discussion process will have to be revised. Whatever challenges Mukesh Agnihotri faces as Transport Minister, they will have to alter the meaning and role of public transportation. The Deputy Chief Minister has his own calculations, noting that when buses from different depots depart for the same destination, passenger occupancy is divided. In such a situation, the real culprit isn't the destination, but the increasing number of bus depots. If 450 bus routes have been closed, then five or six bus depots should also be closed. For example, the Baijnath bus depot once set standards for efficient transportation in Kangra, but in the vicinity, the Jogindernagar, Palampur, and Nagrota Bagwan depots created routes that rendered Baijnath's fleet irrelevant and loss-making. If the number of depots is reduced, the routes will become more practical, economical, and successful. The entire structure of the HRTC needs to be revisited. Furthermore, the Assembly discussion needs to be expanded to ensure the contribution of the entire transport sector. Considering the contribution of private buses in the state, routes should be categorized to suit the growing needs. For example, to make long routes, intra-state routes, inter-city routes, and local routes more efficient, timetabled rapid services are essential. When the then Transport Minister, G.S. Bali, connected the capital, Shimla, to district headquarters with nonstop buses, passenger behavior changed, but now even this practice has changed. While electric buses are expensive, their operation can bring economy and uniqueness to HRTC operations. In this context, HRTC will need to operate smaller vehicles to address geographical difficulties and redefine the urban transport system. Simultaneously, structural changes will need to be made for alternative transportation,

Now, Delhi too should be named Indraprastha, deeply rooted in the Sanatan tradition.

Following the renaming of Kerala to Keralam, the demand for renaming Delhi Indraprastha has gained momentum. This idea became public during the Indraprastha Festival in 2016. The name Indraprastha is deeply rooted in the Sanatan tradition, symbolizing just governance and spiritual significance. Following Kerala, the demand for renaming Delhi Indraprastha has gained momentum. Indraprastha is deeply symbolic of the Sanatan tradition and just governance. The name Delhi is associated with instability, invasions, and civilizational decay. Following the recent renaming of Kerala to Keralam, the demand for renaming the National Capital Region Indraprastha has gained new momentum. Previously, this idea was largely confined to nationalist discourse. It emerged widely in the public arena during the first Indraprastha Festival held at the Old Pandava Fort in 2016. The event was organized by the Draupadi Dream Trust and supported by the Ministry of Culture, Government of India. Since then, the topic has been a part of public and political discourse. The capital's ancient name, Indraprastha, is deeply rooted in the Sanatan tradition, and Delhi is believed to be associated with a small settlement of King Dhelu. Prastha also means flat land (plateau) in Sanskrit. Thus, Indraprastha became revered not only as an administrative center but also as a spiritual and cultural landscape. This name symbolizes a period when power and justice were based on dharma. Lord Krishna, recognizing the region's ancient sanctity, chose it to establish the Pandava kingdom. According to the Mahabharata, Yudhishthira bathed in the Yamuna, performed the Rajasuya Yagna, and became the Chakravarti Emperor of Indraprastha. According to Swami Dayanand's research and the inscriptions at the Nathdwara temple in Rajasthan, approximately 124 Aryan rulers, from Emperor Yudhishthira to Emperor Yashpala, ruled here for 4,157 years, with an average reign of approximately 39 years. Historians Henry Hardy Cole and Alexander Cunningham also consider it one of India's earliest urban settlements. The Sabha Parva of the Mahabharata describes Indraprastha as a well-planned city, catering to the needs of all sections of society. The city was connected to other religious centers like Kashi by well-organized roads. Buddhist traditions mention that Buddha's razor and needle were also installed in Indrapatta (Indraprastha), indicating its widespread influence. In contrast, folklore associates the origin of the name Delhi with King Dhelu. It is said that he attempted to test the condition of the sacred Vishnugiri Iron Pillar at Mehrauli (a symbol of the stability of the state). In the process, the Nagadeva, a symbol of architecture, was injured, and the pillar's nail became loose. This loose nail gave rise to the word Dillika, and later, Delhi. Ironically, this incident, associated with a symbol of stability, gave rise to a name that became a saga of instability and unrest in history. The land, once revered as spiritual and sacred, gradually came to be seen only as a land of wealth, attracting the voracious gaze of foreign invaders. From Muhammad Ghori to Nadir Shah and the British, Delhi became the site of repeated invasions, plunder, and destruction. The primary objective of these invasions was to exploit wealth and disrupt India's Vedic knowledge tradition. This contrasted with the golden age when foreign travelers visited solely to acquire knowledge and communicate. During the British era, when the capital was moved from Calcutta to Delhi, the city plan of ancient Indraprastha was studied in the construction of Lutyens' Delhi, but many ancient structures were buried under rubble. A 1913 notification drastically limited the historical boundaries of Indraprastha to just the Purana Qila. The discovery of temple inscriptions of Raja Bhoj and Raja Sohanlal in archaeological reports from 1925-26 confirms the long-standing control of Indian rulers over this region. Today, the Kunti Temple in the Purana Qila, the Nigambodh Ghat area (where Yudhishthira performed the Ashwamedha Yagya), the Neeli Chhatri Temple, and the Yogmaya Temple in Mehrauli are the last surviving testaments to this ancient glory. In Sanatan culture, naming is not merely an identity, but a ritual. Names reflect cosmic energy, phonetic vibrations, and values. While the Western perspective suggests "what's in a name," Indian wisdom believes that names shape identity and destiny. A name like Indraprastha symbolizes protection and positive energy, reminiscent of just rule. In contrast, a name like Killi-Dilli or Delhi, in its very origins, suggests a weakening. The transformation of this sacred land of Aryavarta from Indraprastha to Delhi represents a profound civilizational erosion, visible even against a backdrop of violence and agitation. Learning from history is the only way to restore that ancient balance. It is essential to revive sacred pilgrimage sites like Indraprastha in public memory. Restoring Indraprastha will be more than just a name change, but a decisive step in India's ascension to the world leader. Only under the shadow of Indraprastha can the nation regain its true prosperity and peace.

Dangerous Expansion of Distrust

The success of this opposition campaign is doubtful due to the complex impeachment process. The opposition's lack of confidence in the head of the Election Commission and the Speaker of the Lok Sabha, responsible for conducting free and fair elections, is not a good sign for democracy. No-confidence motions against the Rajya Sabha Chairman and the Speaker of the Lok Sabha. An impeachment notice against Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar. Growing political distrust threatens the credibility of democratic institutions. Following no-confidence motions against Rajya Sabha Chairman Jagdeep Dhankhar and Lok Sabha Speaker Om Birla, the impeachment notice against Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar is a sign of a dangerous expansion of distrust between the ruling party and the opposition. Partisan conflicts are not unexpected in election-centric parliamentary politics. In the past, conflicts between the ruling party and the opposition on a single issue have often disrupted Parliament for days. There are instances of entire sessions being stalled. However, since 2014, political conflict seems to be transcending conventions and Lakshman Rekha. In late 2024, a no-confidence motion against Rajya Sabha Chairman Jagdeep Dhankhar failed to proceed beyond notice due to procedural and technical errors. Deputy Chairman Harivansh dismissed the motion on the grounds that the notice of no-confidence motion had not been served 14 days in advance as required by law, citing incorrect spelling of Jagdeep Dhankhar's name. In the past, no-confidence motions had been introduced against the Lok Sabha Speaker three times, and each time they were defeated, as they are elected by majority vote. A minority opposition cannot remove them unless there is a split in the ruling party. The passage of a no-confidence motion against the Lok Sabha Speaker directly means that the government, having lost its majority, will also have to go. The purpose of a no-confidence motion by a minority opposition is to express dissatisfaction with the Speaker. Factual errors were also present in the no-confidence motion against Om Birla, but he himself corrected them and allowed it to be presented. The no-confidence motion against Om Birla escalated into serious accusations and confrontation, and at its root was the bitterness of the previous Lok Sabha, when Birla was Speaker. A record number of opposition MPs were suspended. Rahul Gandhi was not the Leader of the Opposition at the time, yet he was still accused of preventing speakers from speaking and turning off microphones. The Speaker is responsible for conducting any House, but a smooth House can only function with mutual understanding and respect between the ruling party and the opposition. However, they are at odds with each other. The Speaker has been the target of the opposition's aggression against the ruling party. Knowing the consequences of the no-confidence motion, the opposition did not ask for a division vote, but this does not change the fact that the opposition lacks confidence in the Speaker. Past experiences with the Speaker's role have been mixed. In Britain, where our parliamentary system is inspired, the Speaker is not a member of any party. In our country, Neelam Sanjiva Reddy resigned from the Congress party upon being elected Speaker of the Lok Sabha. There are examples like Somnath Chatterjee and P.A. Sangma of smoothly conducting the House while commanding the respect of both parties without resigning. However, now the growing tensions are beginning to affect the credibility of this institution. This should be a matter of collective concern for political parties. People will come and go, but the credibility of institutions should not be allowed to be tarnished. The impeachment notice against the Chief Election Commissioner is an extension of political conflict. Questions have been raised about the purity and credibility of the election process, first through ballot tampering and now through doubts about EVMs, but never has it been put on trial in this manner. The appointments of the Chief Election Commissioner and Election Commissioners are always made by the central government. Allegations of appointing favored bureaucrats have also been leveled. Numerous examples of Naveen Chawla's close ties to the Congress were cited at the time. Manohar Singh Gill was even made a Rajya Sabha member and a central minister by the Congress. So why has the matter now reached the point of an impeachment notice against the Chief Election Commissioner? The events of the election officer's rigging in the Chandigarh Municipal Corporation mayoral election and the subsequent strictures from the Supreme Court occurred before Gyanesh Kumar's tenure. While some rules and regulations have been amended, which the opposition claims are a departure from transparency, they can be challenged in the judiciary. The SIR is the main issue at the core of the opposition's latest confrontation with the Election Commission. Voter list revisions have been conducted in the past, but they've never been as chaotic as this time. Voter rolls have never been deleted in such large numbers. Perhaps this is because SIR is being conducted instead of IR this time. The Election Commission hasn't addressed the questions raised by the lack of consultation with all parties and state governments before such a special, intensive revision. However, the Supreme Court has already affirmed the Commission's authority to take steps ranging from voter list revision to improving the electoral process. The Supreme Court has heard the SIR controversy several times since it began in Bihar and reached Bengal. In some cases, the Supreme Court even directed the Election Commission to take corrective measures. In the wake of a confrontation between the state government and the Election Commission in Bengal, the Supreme Court directed the appointment of judicial officers to oversee the SIR. Despite procedural complexities, SIR is not unconstitutional. Nevertheless, this is the first time in the country that a conflict has been brought against the Chief Election Commissioner. The very fact that the impeachment notice has reached this stage raises serious questions. The success of this opposition campaign is doubtful due to the complex impeachment process. The opposition's distrust of the head of the Election Commission and the Speaker of the Lok Sabha, who are responsible for conducting free and fair elections, is not a good sign for democracy. This concern should also be at the top of the agenda for Prime Minister Modi and Leader of the Opposition Rahul Gandhi.

यूपी के आतंकी कनेक्शन की जांच तेज: हारिश को मुरादाबाद लेकर आएगी एटीएस, साथियों के ठिकाने खंगालेगी टीम

आतंकी गतिविधियों में शामिल बीडीएस छात्र को एटीएस की टीम जल्द ही मुरादाबाद लेकर आएगी। इसके बाद उससे जुड़े कुछ लोगों से भी पूछताछ होगी। आईएस में भर्ती करने वाले बीडीएस के छात्र हारिश को उसके अन्य साथियों की रिमांड पर लेने के लिए कोर्ट अन्य जांच एजेंसियों की जांच आस पड़ोस के जिलों में हारिश ने दो साल पहले दाखिला लिया था। वहां साथ रहता था। वह आईएस छात्रों को भी इस संगठन से

एटीएस मुरादाबाद लेकर आएगी और यहां तलाश करेगी। इसके लिए एटीएस उसे में अर्जी भी दाखिल करेगी।एटीएस और में सामने आया है कि मुरादाबाद समेत हारिश के कई साथी हैं। सहारनपुर निवासी मुरादाबाद में एक कॉलेज में बीडीएस में हॉस्टल में वह शामली निवासी छात्र के से जुड़ गया था। इसके बाद उसने अन्य जुड़वा दिया था। 15 मार्च को एटीएस ने उसे मुरादाबाद से गिरफ्तार किया था। उससे पूछताछ में एटीएस को कई अहम सुराग हाथ लगे थे। उसकी गिरफ्तारी से एक सप्ताह पहले ही उससे तीन युवक मिलने आए थे। इसकी जानकारी मिलने पर खुफिया एजेंसी और एटीएस अलर्ट हो गई है। अब हारिश को रिमांड पर लेकर मुरादाबाद लाया जाएगा, ताकि उससे मिलने वाले तीन युवकों के बारे में विस्तार से जानकारी मिल सके। बताया जा रहा है कि एटीएस जल्द ही रिमांड पर लेने के लिए कोर्ट में अर्जी लगाएगी।

बारिश ने बिगाड़ी शहर की सूरत...कई इलाकों में जलभराव से लोग हलकान

मुरादाबाद । एक दिन की बारिश में महानगर की सूरत बिगड़ गई है। टूटी सड़कों के गड्ढों में पानी भरने से लोगों में परेशानी हो पर नाले की कीचड़ स्मार्ट चिढ़ा रही है। के अलावा गलियों में भी गुरुवार को और शुक्रवार से शहर का

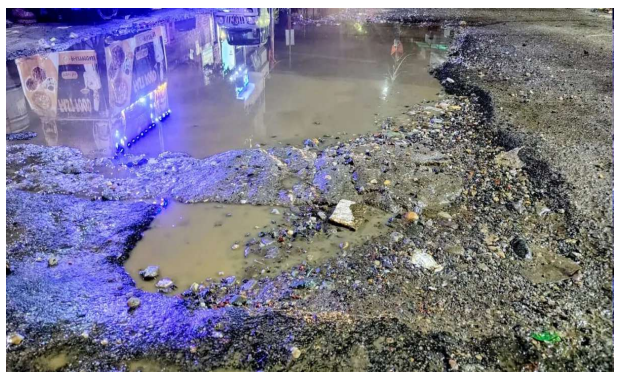

को आवागमन रही है। सड़कों गंदगी व सिटी को मुंह मुख्य सड़कों कॉलोनियों की गंदगी है। रुक रुक कर को तेज बारिश हाल बदसूरत हो गया है। स्मार्ट सिटी की सफाई व्यवस्था की पोल कुछ घंटों के बारिश ने खोल कर रख दिया। ईदगाह में जहां पानी भरने से नमाजियों को परेशानी हुई वहीं आसपास के क्षेत्रों में कई जगह नालियां गंदी पड़ी रहीं। इसके अलावा शहर के कई कॉलोनियों आशियाना फेज एक और दो, रामगंगा विहार की टूटी सड़कों के गड्ढों में पानी भरने से वाहनों की आवाजाही के दौरान लोग संभलकर चल रहे हैं। गड्ढों में भरे बारिश और नाली के पानी की छीटें वाहनों से होकर लोगों के शरीर पर पड़ रहे हैं। सड़क पर ही कई जगह नाली का कचरा पसरा है। टूटी सड़क नागरिकों को दर्द दे रही है। आशियाना फेज एक की मुख्य सड़क पर कई नर्सिंग होम है, एंबुलेंस भी हिचकोले खाते हुए नर्सिंग होम तक पहुंच रहे हैं। आशियाना कॉलोनी में एमडीए व नगर निगम के कई अधिकारी रहते हैं फिर भी न तो सफाई की व्यवस्था दुरूस्त है न सड़कों की दशा ठीक है। इन क्षेत्रों में क्लीन मुरादाबाद क्लीन मुरादाबाद की संकल्पना गंदगी व कीचड़ में धुल जा रही है। ईद के अवकाश के चलते शनिवार को सफाई कर्मचारियों ने कॉलोनी में झांकने की भी जहमत नहीं उठाई। रविवार को भी इसकी सफाई होनी मुश्किल है।जिससे लोगों को गंदगी व कीचड़ में गुजरना मजबूरी है।

साग-सब्जी किसानों को भारी नुकसान, गेहूं-आलू उत्पादकों को आंशिक राहत

मुरादाबाद। शुक्रवार को हुई बेमौसम बारिश ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। खासकर साग-सब्जी की खेती करने वाले किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। लगातार हुई बारिश के कारण खेतों में पानी भर गया, जिससे हरी सब्जियों की फसलें सड़ने लगी हैं। शनिवार सुबह मौसम साफ होने और धूप निकलने के बावजूद किसानों की परेशानी कम नहीं हुई है। किसान सुबह से ही खेतों में जमा पानी निकालने में जुटे हुए हैं,लेकिन कई जगहों पर

पानी इतना अधिक है कि उसे पूरी तरह निकाल पाना मुश्किल हो रहा है। पानी में डूबी सब्जियां खराब होने लगी हैं। पालक, मेथी, धनिया जैसी पत्तेदार सब्जियां पानी भरने से जल्दी खराब हो जाती हैं, जिससे उन्हें तुरंत नुकसान होता है। कई किसानों ने बताया कि अच्छी आमदनी की उम्मीद थी, लेकिन बारिश ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया। गेहूं और आलू किसानों को कुछ राहत मिली है। वहीं गेहूं और आलू की खेती करने वाले किसानों को थोड़ी राहत मिली है। शुक्रवार की बारिश के बाद शनिवार को निकली तेज धूप से खेतों में भरा पानी सूखने लगा है। इससे इन फसलों को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है, हालांकि कुछ निचले इलाकों में अब भी जलभराव की समस्या बनी हुई है।सहफसली खेती करने वाले किसान ज्यादा चिंतित हैं। जिन किसानों ने सहफसली (मिक्स क्रॉपिंग) के तहत अलग-अलग फसलें बोई हैं, उनके लिए स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण है। खासकर हाल ही में बोई गई उड़द और मूंग की फसल को नुकसान का खतरा मंडरा रहा है।

होटल में रंगरेलियां मना रहे दस लड़कों को तीन महिलाओं के साथ पकड़ा

मुरादाबाद । बुध बाजार के एक होटल में तीन महिलाओं और पांच युवकों को कोतवाली पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस होटल में शराब पीकर झगड़ा करने की सूचना पर पहुंची थी। पुलिस को देखकर जोड़े भागने लगे जिस पर पुलिस उन्हें पकड़ कर कोतवाली ले आई। स्थानीय लोगों के अनुसार होटल का मालिक पंजाब में रहता है। होटल संचालक ने एक महीने पहले ही किराए पर इसे चलाने के लिए लिया था।शनिवार को कोतवाली सदर की बुध बाजार चौकी इंचार्ज सुनीता सिंह के पास

दिन में तीन बजे हिंदू कॉलेज के सामने संचालित एक होटल के कमरे में कुछ लोगों के शराब पीकर झगड़ा करने की सूचना मिली थी। जिस पर चौकी इंचार्ज पुलिस बल के साथ होटल पहुंचीं और शराब पी रहे युवकों को पकड़ कर ला रही थीं। तभी बराबर के एक कमरे में तीन महिलाएं और दस युवक जाते दिखे। वह पुलिस को देखते ही भागने लगे। शक होने पर पुलिस ने उन्हें रोककर पूछताछ की तो सभी मुंह छिपाने लगे। पुलिस को देखकर लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने कोतवाली लाकर सभी से सख्ती से पूछताछ की तो सभी ने अपना परिचय बताया। सभी अलग अलग स्थान के रहने वाले निकले। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। हालांकि बुधबाजार में होटल को लेकर पहले से भी चर्चाएं चल रही हैं।

अनगिनत उपलब्धियां, फिर भी सभी सीटें जीतने का अरमान अधूरा

मुरादाबाद। प्रदेश में भाजपा सरकार के बुधवार 18 मार्च को नौ साल पूरे हो गए। राजधानी से लेकर जिला मुख्यालय तक डबल इंजन की सरकार के नौ साल बेमिसाल, नव निर्माण के नौ साल उपलब्धियों का गुणगान सरीखे कार्यक्रम हुए। इसके बावजूद भाजपाइयों में एक टीस जरूर है। वह यह कि उनका जिले में विधानसभा की सभी छह सीटें और लोकसभा सीट जीतने का अरमान अब तक अधूरा है। वर्तमान में जिले के राजनीतिक परिदृश्य पर चुनाव में जीत) में ही कमल खिला। शेष चार विधानसभाओं कब्जा है। ऐसे में डबल इंजन की सरकार होने के बाद भी पाने की टीस पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों में कहीं न भी और भी प्रासंगिक है जब 18 मार्च को प्रदेश सरकार के नौ से 18 उपलब्धियां गिनाई जा रही हैं, केंद्र से लेकर प्रदेश को भी लाभ मिल रहा है। सरकार के कार्यकाल को अब एक अब भाजपा को सभी छह सीटों पर जीत के लिए पूरा जोर सिरे से समीक्षा कर पूरी ताकत और एकजुटता के साथ 2027

विरोधियों खासकर सपा के विजय रथ को रोकने में सौ फीसदी कामयाब हो सकेगी। क्योंकि विधानसभा की कई सीटों और लोकसभा की सीट पर हार की वजह केवल डेमोग्राफिकल जनसांख्यिकीय) नहीं हो सकती है, भाजपा के रणनीतिकारों को इसके असल अन्य कारकों को भी समय रहते ढूंढना होगा, जिससे जिले में सपा की राजनीति को संजीवनी मिलती है। विधानसभा सीटें और उन पर नजर डालें तो केवल दो सीटें मुरादाबाद नगर और कुंदरकी (उप में सपा के विधायक हैं। मुरादाबाद लोकसभा सीट पर भी सपा का जिले और मंडल में पार्टी को उम्मीद के मुताबिक सफलता न मिल कहीं है, यह गाहे बगाहे झलक भी जाता है। यह सवाल उस समय साल के कार्यकाल पूरे होने पर योजनाओं, परियोजनाओं के माध्यम सरकार की सभी योजनाओं का पारदर्शिता के साथ जिले की जनता साल बचा है। विधानसभा चुनाव अगले साल प्रस्तावित है इसलिए लगाने की जरूरत है। उन सभी वजहों और समीकरणों की नये के विधानसभा की चुनावी रणभूमि में उतरने पर ही वह जिले में निर्वाचित विधायक - मुरादाबाद नगर भाजपा रितेश गुप्ता- - मुरादाबाद ग्रामीण सपा नासिर कुरैशी - कुंदरकी भाजपा रामवीर सिंह (उपचुनाव में जीते) - बिलारी सपा मोहम्मद फहीम इरफान - ठाकुरद्वारा सपा नवाब जान खां - कांठ सपा कमाल अख्तर- - मुरादाबाद लोकसभा सीट- सपा- कुंवरानी रुचि वीरा जिले में प्रदेश सरकार द्वारा कराए महत्वपूर्ण विकास कार्य - विश्वविद्यालय- 169.58 करोड़ रुपये की लागत से गुरु जम्भेश्वर राज्य विवि का निर्माण - मुरादाबाद एयरपोर्ट- जिले की देश व प्रदेश के अन्य क्षेत्रों से एयर कनेक्टिविटी के लिए भदासना में एयरपोर्ट का निर्माण, जिसका लोकार्पण प्रधानमंत्री ने 10 मार्च 2024 को किया - अटल आवासीय विद्यालय- पीपली बिलारी में पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों, कोरोना काल में निराश्रि बच्चों और मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के लिए पात्रों के लिए कक्षा 6 से 12 तक मंडलीय अटल आवासीय विद्यालय का लोकार्पण पिछले साल 6 अगस्त को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया - संविधान साहित्य पार्क और हनुमान वाटिका- बुद्धि विहार में 16 करोड़ रुपये की लागत से संविधान साहित्य पार्क का निर्माण। यहीं पर 6 करोड़ रुपये की लागत से हनुमान वाटिका का निर्माण। इन दोनों का लोकार्पण 6 अगस्त 2025 को मुख्यमंत्री ने किया था। - ड्राई पोर्ट/कार्गो टर्मिनल- शराफ ग्रुप ने प्रदेश में लाजिस्टिक सुविधाओं के लिए राज्य सरकार के साथ 1250 करोड़ रुपये के समझौते पर हस्ताक्षर किए। पहले चरण में लगभग 150 करोड़ रुपये की लागत से दो लाजिस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का विकास। इससे लगभग 400 को रोजगार मिलेगा। - वार मेमोरियल- बुद्धि विहार में 31 करोड़ रुपये से वार मेमोरियल (त्रिशूल रक्षा संग्रहालय) निर्माणाधीनइसके अलावा भी विकास की अनगिनत जनकल्याणकारी योजनाओं और परियोजनाओं को लागू किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

करोड़ों खर्च फिर भी अटके विकास कार्य, योजनाएं कागजों पर ही सिमटीं

रामपुर। नगर पालिका रामपुर की बोर्ड बैठकों में बनने वाली योजनाएं धरातल तक नहीं पहुंच पा रही हैं। लेटलतीफी और उपेक्षा के चलते कार्य रुके हुए हैं, जिससे आमजन समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। पालिका ने कई कामों में करोड़ों रुपये खर्च किए हैं। ये काम अभी भी अधूरे पड़े हैं।इन कामों के कारण जनता को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बैठकों से पहले सभासदों से प्रस्ताव मांगे जाते हैं। जनता अपनी समस्याएं दर्ज करा देती है और जब बैठक होती है तो खानापूर्ति के साथ कोरम पूरा किया जाता है। इसके बाद इन प्रस्तावों को पूरा करने पर ध्यान नहीं दिया जाता।डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन - शहर में दो साल पहले सफाई की व्यवस्था को निजी हाथों में देने की बात हुई थी। एक पीलीभीत की कंपनी ने इसमें हिस्सा लिया था और वार्डों का सर्वे भी किया था लेकिन बाद में बात न बन पाने की वजह से कंपनी चली गई। इसके बाद से अभी तक इसमें दोबारा किसी कंपनी से बात नहीं हो सकी है। लिहाजा अब डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन व्यवस्था ठप पड़ी है और सड़कों पर जगह-जगह कचरा पड़ा है। पालिका अपने दम पर कुछ क्षेत्र से डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन करवा रही है, जबकि कई क्षेत्रों में कूड़ें का कलेक्शन तक नहीं हो रहा है। ट्रीटमेंट प्लांट- शहर को 43 वार्डों में विभाजित किया गया है। बमनपुरी में अस्थायी ट्रंचिंग ग्राउंड बना हुआ है। इसमें 140 मीट्रिक टन कचरा आता है। यहां कूड़े के पहाड़ हैं, कुछ दिन पूर्व से इस कूड़े को यहां से शहजादनगर भेजा जा रहा है। इस कचरे का निस्तारण करने के लिए शहजादनगर में 25 एकड़ जमीन पर 15.60 करोड़ रुपये की लागत से ट्रीटमेंट प्लांट बनाया जाना था। पांच साल बाद यह बनकर तैयार हुआ है लेकिन अभी तक मशीनें नहीं लग पाई हैं। मशीनें लग जाती तो लोगों को बदबू और मक्खियों से निजात मिल जाती। पालिका को बार-बार कूड़े के ढेर में आग लगने पर उसे बुझाने पर होने वाले खर्च से निजात मिल जाती। एबीसी सेंटर भी अभी तक शुरू नहीं हो पाया- नगर पालिका ने आवारा कुत्तों के बधियाकरण के लिए लाखों रुपये लगाकर एबीसी सेंटर बनाया था। इसमें कुत्तों को रखने के लिए 150 बाड़े बनाए हैं। जनवरी में एक कंपनी को कुत्तों का बधियाकरण करने के लिए 74.25 लाख रुपये का ठेका दिया गया था। अब तक कुत्तों का बधियाकरण शुरू नहीं हो पाया है।

85 लाख का एमआरएफ सेंटर- हजरतपुर इलाके में अब से दो साल पहले एमआरएफ सेंटर यानी मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर का निर्माण 85 लाख रुपये की लागत से कराया गया था। एमआरएफ सेंटर का मुख्य कार्य शहर के सूखे कचरे को इकट्ठा कर, उसे वैज्ञानिक तरीके से वर्गीकृत करना और पुनर्चक्रण योग्य सामग्री (प्लास्टिक, कागज, धातु, कांच) को अलग करके रिसाइकिलिंग इकाइयों तक पहुंचाना है। इस सेंटर में भी ताले लगे हैं। क्या कहते हैं लोग- इस मौसम में कचरे में आग लग जाती है, जिससे धुआं होता है और सांस के मरीजों को काफी दिक्कत होती है। कचरे से बीमारियां भी हो रही हैं। मच्छर भी पनपते हैं। शिकायत के बाद भी सुनवाई नहीं हो सकी। -अतीक अहमद

कचरे के ढेर में आग लग जाने से धुआं काफी ज्यादा होता है और वायु प्रदूषण होने से यह हमारी सांसों में भी जाता है। इससे बीमारियां बनती है। कचरे का निस्तारण नहीं हो रहा है।-अमीर अहमद

यहां मुख्य समस्या कचरे की है। कूड़े में आग लगने पर काफी परेशानी होती है। इस कचरे को यहां से हटना चाहिए। मोहल्ले के लोगों को काफी परेशानी हो रही है। -लालाजी

कूड़े की बहुत परेशानी है। यहां पर कचरा जलने से लोगों को सांस की समस्या भी हो चुकी है। इस कचरे को इस मोहल्ले से हटाकर कहीं और ले जाना चाहिए, ताकि बीमारियां न पनप सकें। -मो. रफी

धीरे-धीरे सभी योजनाओं पर काम कराया जा रहा है। कुछ योजनाओं पर प्रक्रिया चल रही है। सभी कार्य पूर्ण करा लिए जाएंगे। जनता को किसी भी तरह की दिक्कत नहीं होने दी जाएगी।-दुर्गेश्वर त्रिपाठी, अधिशासी अधिकारी, रामपुर

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

डीआईजी अजय कुमार साहनी के दिशा निर्देशन में , पुलिस कर्मियों को एचआईवी/एड्स के प्रति किया जागरूक

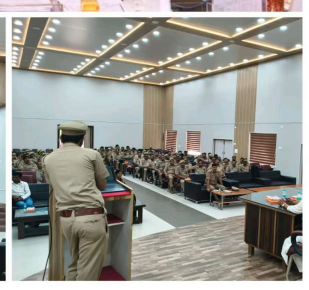

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। पुलिस उप महा निरीक्षक बरेली परिक्षेत्र, बरेली अजय कुमार साहनी के निर्देशन में रिजर्व पुलिस लाइन बरेली के सभागार में एचआईवी / एड्स जागरूकता हेतु एक दिवसीय संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया।इस कार्यशाला का आयोजन उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के सहयोग से किया गया, जिसमें बरेली परिक्षेत्र के समस्त जनपदों के पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला में जनपद बरेली से 21 तथा बदायूं, शाहजहांपुर एवं पीलीभीत से 20-20 प्रतिभागियों सहित कुल 81 पुलिस कर्मियों ने सहभागिता की। कार्यशाला के दौरान एचआईवी/एड्स से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों जैसे- रोकथाम, समय पर जांच, उपचार की उपलब्धता एवं संक्रमित व्यक्तियों के प्रति भेदभाव रहित व्यवहार पर विस्तार से जानकारी दी गई। इस पहल का मुख्य उद्देश्य पुलिस बल को न केवल शारीरिक रूप से सुरक्षित रखना है, बल्कि उन्हें एक संवेदनशील एवं जागरूक लोक सेवक के रूप में विकसित करना भी है, ताकि वे समाज में फैली एड्स संबंधी भ्रांतियों को दूर करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सकें।कार्यशाला में जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. इंतजार हुसैन, क्लस्टर प्रोग्राम मैनेजर हिना अयाज, सीएसओ प्रेमचंद्र शर्मा, डीएमडीओ आकाश चौधरी, एचआईवी/एड्स काउंसलर, एआरटी काउंसलर जीशान, प्रोग्राम मैनेजर शालिनी सिंह एवं नंदा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व जल दिवस पर छावनी परिषद बरेली का जागरूकता अभियान

रैली और नुक्कड़ नाटक आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली - विश्व जल दिवस के अवसर पर छावनी परिषद, बरेली द्वारा मुख्य अधिशासी अधिकारी डॉ. तनु जैन के निर्देशन में जल संरक्षण को लेकर जनजागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान पौधारोपण, जागरूकता रैली और नुक्कड़ नाटक जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए।

रैली का शुभारंभ डॉ. वैभव जायसवाल ने जनरल हॉस्पिटल से हरी झंडी दिखाकर किया, जो सदर क्षेत्र होते हुए धूप मंदिर तक पहुंची। प्रतिभागियों ने नारों के माध्यम से जल बचाने का संदेश दिया।

रैली के बाद नव ज्योति नाट्य संस्था के कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर जल संरक्षण का महत्व सरल और प्रभावी ढंग से समझाया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने जल बचाने की शपथ ली।

इस अवसर पर छावनी परिषद के अधिकारी, कर्मचारी, स्वच्छ भारत मिशन टीम, स्कूल के शिक्षक-विद्यार्थी और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। छावनी परिषद ने भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम जारी रखने की बात कही।

विश्व शांति यज्ञ व समरसता भंडारे के साथ दो दिवसीय वाल्मीकि संत समागम हुआ सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। प्रेमनगर स्थित वाल्मीकि साधु आश्रम में श्री 108 श्री सतगुरु बाबा सागरदास जी की 30वीं पुण्यतिथि पर दो दिवसीय संत समागम का समापन हुआ। उज्जैन से पधारे राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी बलराम दास योगी के सान्निध्य में संतों ने सत्संग व प्रवचन दिए।

सुबह 7 बजे विश्व शांति हेतु यज्ञ हवन संपन्न हुआ, जिसमें बलवीर सिंह सोंधी सहित अन्य संत शामिल रहे। 11 बजे समरसता के उद्देश्य से विशाल भंडारा आयोजित किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।कार्यक्रम संयोजक अरविंद वाल्मीकि ने संतों का स्वागत किया। संतों ने शिक्षा को बढ़ावा देने व दहेज, मृत्यु भोज जैसी कुप्रथाओं के त्याग का आह्वान किया।

समारोह में स्वामी रतन दास, साध्वी संतोष दास, स्वामी प्रेमानंद, स्वामी ब्रह्मदास, स्वामी गोविंद दास, डॉ. राम लुभाया, मनोज थपलियाल, योगेश कुमार, सुरेंद्र नाथ, उमेश कठेरिया, पुष्पा पांडे सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सांसद की चेतावनी फाल्ट और लो-वोल्टेज की समस्या नहीं होगी बर्दाश्त

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा/ बरेली। भीषण गर्मी की आहट के साथ ही बरेली की विद्युत व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए शासन और प्रशासन सक्रिय हो गया है। उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन के निर्देशों पर शनिवार को सर्किट हाउस के सभागार में जनप्रतिनिधियों और विद्युत विभाग के बीच समन्वय बैठक हुई। बैठक का मुख्य केंद्र आगामी ग्रीष्म ऋतु में उपभोक्ताओं को अघोषित बिजली कटौती से निजात दिलाना रहा। बैठक में सांसद छत्रपाल गंगवार ने जोर देकर कहा कि गर्मी के मौसम में फाल्ट और लो-वोल्टेज की समस्या बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने लेफ्ट आउट हाउस होल्ड योजना के तहत छूटे हुए घरों तक जल्द से जल्द बिजली पहुंचाने और जर्जर लाइनों के सुदृढ़ीकरण के निर्देश दिए। एमएलसी कुंवर महाराज सिंह ने विभाग की सक्रियता को सराहा, लेकिन भविष्य की चुनौतियों के लिए सतर्क रहने की सलाह दी। मुख्य अभियंता ने आश्वस्त किया कि विभाग के सभी अधिशासी अभियंता और उपखंड अधिकारी फील्ड में रहकर शिकायतों की निगरानी करेंगे। एमएलसी बहोरन लाल मौर्य ने कहा कि विकास कार्यों की प्रगति के साथ-साथ उपभोक्ता संतुष्टि प्राथमिकता होनी चाहिए। मेयर डॉ. उमेश गौतम, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, विधायक संजीव अग्रवाल, डॉ. राघवेन्द्र शर्मा और डॉ. एमपी आर्या ने सुझाव दिया कि शिकायतों के निस्तारण के लिए टोल-फ्री नंबर और स्थानीय स्तर पर रिस्पांस टाइम को न्यूनतम किया जाए। बैठक में मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता सहित जिले के आला अधिकारी मौजूद रहे, जिन्हें ग्रीष्मकालीन तैयारियों को समय से पूरा करने की अंतिम समय-सीमा दी गई।

धूमधाम से मनाया गया रामोत्सव, श्रीराम के आदर्शों पर चलने का आह्वान

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत । विश्व हिंदू परिषद ब्रज प्रांत के निर्देशानुसार प्रखंड पूरनपुर के खंड जोगराजपुर अंतर्गत ग्राम सेहरामऊ में रामोत्सव कार्यक्रम अत्यंत भव्य और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में धर्म, संस्कृति और सामाजिक एकता का अनुपम संगम देखने को मिला। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति से पूरा क्षेत्र राममय हो उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। मुख्य वक्ता प्रखंड मठ-मंदिर प्रमुख धर्मेंद्र मिश्रा ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में भगवान श्रीराम के त्याग, बलिदान, धैर्य एवं मर्यादा को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। कि श्रीराम के आदर्श आज भी समाज को दिशा देने में सक्षम हैं और सनातन धर्म की एकजुटता वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस अवसर पर जिला सह मंत्री रूम सिंह यादव, प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप शर्मा, सह मंत्री विजय प्रताप सिंह, गौ सेवा प्रमुख सुनील वर्मा तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खंड कार्यवाह गौरव गुप्ता सहित कई वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए श्रीराम के आदर्शों को जीवन में उतारने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान खंड जोगराजपुर की नई समिति का गठन भी किया गया, जिसमें मनोज मिश्रा को खंड अध्यक्ष, सुशील पांडे एवं नीलेश भारती को उपाध्यक्ष तथा अजीत शर्मा को मंत्री सहित विभिन्न पदों पर दायित्व सौंपे गए। समापन अवसर पर कार्यकर्ताओं ने ग्राम गढ़ा कलां स्थित गौशाला में पहुंचकर श्रमदान किया और गौसेवा के माध्यम से समाज में सेवा, समर्पण और संस्कार का संदेश दिया।

बिहारपुर के जंगल में तड़प-तड़प कर मरा लकड़बग्घा!

इलाज के इंतजार में गई जान, वन विभाग पर लापरवाही के गंभीर आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच/ बिहारपुर-सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर वन परिक्षेत्र अंतर्गत क्र-575 बीट के मकराद्वारी क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक लकड़बग्घा पूरे दिन तड़पता रहा और आखिरकार इलाज के अभाव में उसने दम तोड़ दिया। इस घटना ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों के अनुसार, रविवार सुबह से ही लकड़बग्घा कोल्हूआ क्षेत्र के आसपास असामान्य हालत में घूमता नजर आ रहा था। उसकी हरकतें बेहद विचित्र थीं - कभी वह लकड़ी को दांत से काट रहा था तो कभी पत्थरों को काटने की कोशिश कर रहा था। उसकी हालत देखकर साफ लग रहा था कि वह गंभीर रूप से बीमार या घायल है। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए ग्रामीणों ने तुरंत वन विभाग को सूचना दी, लेकिन आरोप है कि समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। बताया जा रहा है कि गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के रेंजर ने पशु चिकित्सक से संपर्क किया, परंतु संबंधित डॉक्टर मध्यप्रदेश के बैढ़न में अपने गृह निवास पर थे और रविवार होने के कारण मौके पर नहीं पहुंच सके। ग्रामीणों का कहना है कि अगर वन विभाग चाहता तो वैकल्पिक व्यवस्था कर तत्काल इलाज कराया जा सकता था, लेकिन लापरवाही के चलते एक बेजुबान जानवर की जान चली गई। आखिरकार, रविवार शाम करीब 3 बजे मकराद्वारी के खीरो नदी किनारे लकड़बग्घा ने तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया। हैरानी की बात यह रही कि वन विभाग की टीम उसकी मौत के बाद मौके पर पहुंची और केवल औपचारिकताएं पूरी करते हुए पंचनामा बनाकर शव को वन कार्यालय बिहारपुर ले जाया गया। सोमवार को होगा पोस्टमार्टम, जांच जारी- वन विभाग के अनुसार, सोमवार को जिला स्तरीय पशु चिकित्सक द्वारा पोस्टमार्टम किया जाएगा, जिसके बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। लगातार हो रही वन्यजीवों की मौत से उठे बड़े सवाल- बिहारपुर वन परिक्षेत्र में वन्यजीवों की मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। करीब एक माह पहले मोहाली क्षेत्र में एक तेंदुआ कुएं में गिरने से मारा गया था और अब लकड़बग्घा की मौत ने वन विभाग की लापरवाही को एक बार फिर उजागर कर दिया है। जंगल में आग बना बड़ा खतरा- स्थानीय लोगों का कहना है कि इन दिनों जंगलों में भीषण आग लगी हुई है, जिसके कारण वन्यजीव अपने सुरक्षित ठिकानों को छोड़कर गांवों की ओर भाग रहे हैं। इसी वजह से वे घायल हो रहे हैं और समय पर इलाज नहीं मिलने से उनकी मौत हो रही है। ग्रामीणों का आरोप - समय पर इलाज होता तो बच जाती जान- ग्रामीणों ने साफ तौर पर कहा है कि यदि वन विभाग ने तत्परता दिखाई होती और समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई होती, तो लकड़बग्घा की जान बच सकती थी। अब सबकी नजर पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर फिलहाल वन विभाग पूरे मामले की जांच में जुटा हुआ है। अब यह देखना होगा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट क्या खुलासा करती है - क्या यह महज बीमारी थी या फिर लापरवाही से गई एक और बेजुबान की जान?

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

ड्यूटी पर जाते वख़्त PRD जवान की बाइक हादसे मे हालत गम्भीर

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती, विकासखंड

जमुनहा की ग्राम पंचायत गणेशपुर शिकारीचौड़ा के निवासी बुधराम पुत्र गुरुदीन, PRD जवान, रबिवार सुब्ह ड्यूटी के लिए भिनगा जाते वख़्त मार्ग दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में उन्हें कई छोटे आईं। राहगीरों और स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें पहले नज़दीकी केन्द्र पर ले जाया गया, फिर जिला चिकित्सालय रेफर किया गया जहाँ उनकी हालत नाज़ुक बनी हुई है। प्रशासन को घटना की सूचना दी गई है और मौके पर पुलिस ने ज़रूरी कार्यवाही शुरू की। परिजन मौजूद हैं। स्थानीय लोगों ने ड्यूटी-रत सुरक्षाकर्मियों के लिए रास्तों पर बेहतर सुरक्षा-इंतज़ाम और रफ़्तार-नियंत्रण की दरख़ास्त की है।

संपत्तियों के डिफाल्टर और मानचित्रों के बकायेदारों को धनराशि जमा करने का मौका

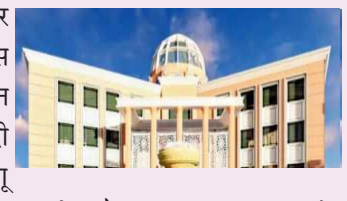

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा/ बरेली। बरेली विकास प्राधिकरण, उप्र आवास एवं विकास परिषद क्षेत्र की संपत्तियों के डिफाल्टर आवंटियों के लिए आवास एवं शहरी नियोजन विभाग ने बड़ी राहत दी है। ओटीएस योजना लागू कर डिफाल्टर आवंटियों और मानचित्र स्वीकृति के सापेक्ष शुल्क जमा न करने वालों के लिए धनराशि जमा करने का अवसर प्रदान किया गया है। एक मुश्त समाधान योजना में आवेदन कर प्रोसेसिंग फीस और प्रारंभिक धनराशि जमा कर आवंटी इसका लाभ ले सकेंगे। आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के प्रमुख सचिव पी गुरु प्रसाद की ओर से ओटीएस के संबंध में जारी किए गए दिशा निर्देश का लाभ बरेली जिले के तमाम लोगों को भी मिलेगा। 20 मार्च से अगले एक माह तक सभी डिफाल्टर्स को जागरूक किया जाएगा। योजना में आवेदन करने के लिए 3 माह की अवधि निर्धारित की है। इस तिथि के बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जायेगा। ओटीएस आवेदन-पत्र जमा करने की तिथि वही मानी जायेगी, जिस तिथि को आवेदन पत्र के साथ अपेक्षित प्रोसेसिंग फीस और प्रारंभिक धनराशि ऑनलाइन या ऑफलाइन जमा की गयी है। आवेदन पत्रों का निस्तारण आवेदन प्राप्ति की तिथि से तीन माह में किया जाएगा। इसके बाद प्रवर्तन (इंफोर्समेंट) की कार्यवाही की जाएगी। आगणित संपूर्ण देय धनराशि को मांग-पत्र डिस्पैच होने की तिथि से 30 दिन के अंदर एकमुश्त जमा करने पर संपूर्ण देय धनराशि पर 3 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। प्रोसेसिंग फीस ओटीएस का मात्र शुल्क है, इसे किसी भी देय धनराशि में समायोजित नहीं किया जायेगा।

आपत्तिजनक टिप्पणी पर भड़का जनाक्रोश, पीलीभीत में वाल्मीकि समाज का जोरदार प्रदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत । सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो को लेकर जनपद में रविवार को भारी बवाल देखने को मिला। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर वसीम रज़ा उर्फ 'मिस्टर पीलीभीत' की कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में वाल्मीकि समाज के सैकड़ों लोग सड़कों पर उतर आए और शहर के मुख्य गैस चौराहे पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के चलते कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि वायरल वीडियो में दलित समाज के खिलाफ आपत्तिजनक और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया गया है,

जो समाज की गरिमा पर सीधा आघात है। उन्होंने मांग की कि आरोपी के खिलाफ तत्काल एससी/एसटी एक्ट और आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की जाए। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भारी बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से वार्ता कर उन्हें शांत कराने का प्रयास किया। काफी देर तक चली समझाइश के बाद स्थिति नियंत्रण में आई। प्रशासन की ओर से निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। बताया जा रहा है कि यह विवाद उस वीडियो से जुड़ा है, जो पीलीभीत टाइगर रिजर्व के भ्रमण के दौरान बनाया गया था और सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वीडियो के सामने आने के बाद से ही लोगों में आक्रोश बढ़ता गया। वहीं, विवाद बढ़ने पर वसीम रज़ा ने एक वीडियो जारी कर खेद व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि उनके शब्द अनजाने में निकले और उनका किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं था। हालांकि, प्रदर्शनकारियों ने माफी को अस्वीकार करते हुए कार्रवाई की मांग दोहराई है।

वृहद स्वास्थ्य शिविर में बाल हृदय रोगियों का उपचार, 42 बच्चों को सर्जरी हेतु चिन्हित

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी, जिला प्रशासन, श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्वास्थ्य सेवा मिशन एवं रोटरी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित वृहद स्वास्थ्य शिविर में बाल हृदय रोगियों के उपचार हेतु विशेष पहल की गई। शिविर में जन्मजात हृदय विकृति (दिल में छेद) से पीड़ित बच्चों का विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परीक्षण एवं उपचार किया गया। शिविर के दौरान शिवपुरी एवं गुना जिले से कुल 78 बच्चों का परीक्षण किया गया, जिनमें से 42 बच्चों को सर्जरी हेतु चिन्हित किया गया है। चिन्हित बच्चों को आगामी 24 मार्च को अरविंदो हॉस्पिटल, भोपाल भेजा जाएगा, जहां उनका निःशुल्क उपचार एवं सर्जरी की जाएगी। उक्त जांच एवं उपचार अरविंदो हॉस्पिटल के पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. पी. अग्रवाल एवं डॉ. ए. नगेले द्वारा किया गया, जिन्होंने बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति का सूक्ष्म परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया। इसके अतिरिक्त एक्स भोपाल के डॉक्टर्स द्वारा भी पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी के मरीजों का उपचार किया। सीताराम यादव ने कराया नातिनी का उपचार तहसील करैरा के ग्राम सलैया निवासी श्री सीताराम यादव ने अपनी नातिनी कु. रक्षा यादव का उपचार शिविर में कराया। उन्होंने बताया कि बच्ची के हृदय में छेद की समस्या है, जिसकी जांच विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा की गई एवं आगे उपचार हेतु मेडिकल कॉलेज शिवपुरी रेफर किया गया। उन्होंने शिविर में उपलब्ध व्यवस्थाओं एवं निःशुल्क सेवाओं के लिए जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

कृष्णानगर कालीबाड़ी में मां काली दरबार के पुनर्निर्माण का हुआ शिलान्यास, नवरात्र में गूंजा भक्ति का माहौल

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा/ बरेली। कृष्णानगर स्थित करीब 50 साल पुराने कालीबाड़ी मंदिर में मां काली दरबार के पुनर्निर्माण कार्य का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस अवसर पर महापौर उमेश गौतम ने शिलान्यास करते हुए सभी श्रद्धालुओं को नवरात्र की शुभकामनाएं दीं और निर्माण कार्य में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में सांसद छत्रपाल गंगवार ने बंगाली समुदाय को अपनी आगामी योजनाओं में प्राथमिकता देने की बात कही। वहीं वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल कुमार एडवोकेट ने मंदिर परिसर में सामुदायिक केंद्र और पार्क के विकास की घोषणा की। पूजन कार्यक्रम में दीपक भट्टाचार्य, दिवाकर भट्टाचार्य, कल्याण कुमार डे, देवाशीष चक्रवर्ती, प्रकाश मुखर्जी, राजा भट्टाचार्य, सीए बिकास राय चौधरी, सीए प्रदीप तिवारी, हिरनमय भट्टाचार्य, सुदीप्तो भट्टाचार्य, सुजीत दत्ता, अमित करमाकर, संजय भट्टाचार्य, चंचल डे और नबमित्रा भट्टाचार्य सहित समिति के सदस्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालु परिवार सहित मौजूद रहे। नवरात्र के पावन अवसर पर हुए इस शिलान्यास कार्यक्रम से क्षेत्र में उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला।

गैस वितरण व्यवस्था में सुधार की पहल: औचक निरीक्षण से बढ़ी पारदर्शिता

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत । मझोला नगर में एलपीजी गैस वितरण व्यवस्था को पारदर्शी, सुचारू और जनहितकारी बनाने की दिशा में प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार के निर्देश पर उनके जिला प्रतिनिधि कपिल अग्रवाल ने सिलेंडर वितरण स्थल का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कपिल अग्रवाल सीधे आमजन के बीच पहुंचे और उनकी समस्याएं गंभीरता से सुनीं। मौके पर ही समाधान की पहल करते हुए उन्होंने संबंधित वितरक संस्था के कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान फॉल्स सिलेंडर डिलीवरी की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उपभोक्ताओं की सूची तैयार करवाई गई और निर्देश दिए गए कि ऐसे सभी उपभोक्ताओं को अगले ही दिन प्राथमिकता के आधार पर गैस उपलब्ध कराई जाए। अव्यवस्था को दूर करने के लिए वितरण स्थल पर महिलाओं और पुरुषों की अलग-अलग लाइन लगाने के निर्देश भी दिए गए, जिससे भीड़ और धक्का-मुक्की पर नियंत्रण हो सके। जनता को आश्वस्त करते हुए कपिल अग्रवाल ने कहा कि देश में गैस की कोई कमी नहीं है, इसलिए अफवाहों पर ध्यान न दें और आवश्यकता के अनुसार ही गैस लें। उन्होंने नागरिकों से यह भी कहा कि यदि गैस वितरण से संबंधित कोई समस्या हो, तो मझोला स्थित जन सहयोग कार्यालय में सूचना देकर त्वरित समाधान प्राप्त किया जा सकता है।

हार्टमैन रामलीला मैदान में चित्र प्रदर्शनी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा/ बरेली। उत्तर प्रदेश सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने पर शहर के हार्टमैन रामलीला मैदान में 7 दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ 20 मार्च को सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार द्वारा फीता काटकर किया गया। प्रदर्शनी में सरकार की विगत 9 वर्षों की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया है, जो 26 मार्च तक चलेगी। प्रदर्शनी के माध्यम से आमजन को केंद्र व प्रदेश सरकार की नकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर योजनाओं के बारे में जानकारी ले रहे हैं। प्रदर्शनी में दर्शाया गया है कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया गया है। खेती में ड्रोन पर 50त्न तक अनुदान, पीएम कुसुम योजना के तहत 86 हजार से अधिक सोलर पंप, और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से 3.12 करोड़ किसान लाभान्वित हुए हैं।इसके अलावा निराश्रित महिलाओं की पेंशन 1000 से बढ़ाकर 1500 रुपये की गई है। फसल बीमा योजना के तहत करोड़ों किसानों को क्षतिपूर्ति दी गई है। स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 30,500 से अधिक स्वास्थ्य सखियां सक्रिय हैं। आजीविका मिशन से 1.06 करोड़ महिलाएं आत्मनिर्भर बनी हैं, ' मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना से 26.81 लाख बेटियों को लाभ मिला है।

पत्नी और प्रेमी की क्रूरता: पति से संग सोने की बात कही, फिर रास्ते में आशिक को किया फोन, बेरहमी से ले ली जान

राजपाल की हत्या उसकी पत्नी रजनी ने प्रेमी बंटी संग मिलकर की। अवैध संबंधों में बाधक बनने पर 17 मार्च रात डंडों से वार कर उसे मारा। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार किया।यूपी के हापुड़ जिले में अवैध संबंधों में बाधक बने पति राजपाल की हत्या वार कर उसे मौत के घाट उतारा गया। पुलिस ने दोनों कंटीले तारों में उलझा मिला था। शिनाख्त के बाद पुलिस ईद-गिर्द घूम रही थी। पुलिस ने रजनी से सख्ती बरती तो स्तुति सिंह ने बताया कि आरोपियों ने पूछताछ में स्वीकार राजपाल को हो गई थी। पुलिस के अनुसार राजपाल को प्रहार किया। राजपाल अपनी जान बचाने के लिए भागे, घटना में प्रयुक्त डंडा बरामद कर लिया है। दोनों को विवाद, फिर बनाई हत्या की योजना- पुलिस के अनुसार में हाथापाई भी हुई थी। इस दौरान रजनी ने घर में चूल्हे के उसकी पत्नी रजनी ने प्रेमी बंटी के साथ मिलकर की। 17 मार्च की रात डंडों से सिर पर ताबड़तोड़ आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।18 मार्च की सुबह राजपाल का शव कब्रिस्तान के पास हत्यारे की तलाश में जुटी थी। पत्नी रजनी पर पुलिस को पहले से शक था, ऐसे में जांच उसी के ही उसने राज उगल दिया। इसके बाद पुलिस ने उसके प्रेमी बंटी को भी गिरफ्तार कर लिया। सीओ किया कि उनका आपस में तीन साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों के अवैध संबंधों की जानकारी रास्ते से हटाने के लिए उसकी पत्नी और प्रेमी ने 17 मार्च की रात को उसके सिर पर डंडे से कई बार लेकिन खेतों में कंटीले तारों में उलझकर गिर गए और मौत हो गई। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। घटना के दिन हुआ था पति-पत्नी में 17 मार्च की शाम को राजपाल और रजनी में विवाद हुआ था। बंटी से अवैध संबंधों को लेकर दोनों पास रखी फूंकनी राजपाल को मारी थी। इसके बाद ही रजनी ने उसे रास्ते से हटाने की साजिश रची। साजिश के तहत उसने आईसक्रीम बेचने वाले अपने प्रेमी बंटी को फोन करके रात में तैयार रहने के लिए कहा। राजपाल रात के समय इस मकान से करीब सात सौ मीटर दूर एक अन्य छोटे मकान में सोते थे। इस मकान के लिए एक शॉर्ट कट रास्ता जंगल से होकर जाता था। योजना के तहत उस दिन रजनी ने भी राजपाल के साथ दूसरे मकान पर साथ सोने की बात कही। दोनों के घर से निकलते ही उसने बंटी को फोन कर दिया। रास्ते में बंटी डंडा लेकर तैयार खड़ा था। यहां राजपाल की हत्या करने के बाद दोनों अपने अपने घर जाकर सो गए। दो घंटे में प्रेमी को किया 13 बार फोन- पुलिस के अनुसार रजनी की भूमिका शुरू से ही संदिग्ध लग रही थी। ऐसे में उसके फोन की जांच की गई, उसमें सभी फोन कॉल डिलीट मिलीं। सीडीआर निकलवाने पर पता चला कि घटना की रात नौ से 11 बजे के बीच उसने बंटी को कुल 13 बार फोन किया था। इसी से पुलिस का शक गहरा गया। पुलिस ने पूछताछ के बाद पूरी घटना का खुलासा कर दिया।

बकवास है रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर-2, कांग्रेस सांसद इमरान मसूद का गुस्सा भड़का, नोटबंदी पर कही ये बात

यूपी के सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद का कहना है कि धुरंधर-2 फिल्म झूठ का पुलिंदा है, इस पर कोई विश्वास नहीं करेगा। नोटबंदी कोई मास्टरस्ट्रोक नहीं था, बल्कि उस फैसले ने देश की कमर तोड़ दी थी। सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने हाल ही में प्रदर्शित हुई बॉलीवुड फिल्म धुरंधर-2 को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने आदित्य धर द्वारा निर्देशित एवं रणवीर सिंह के अभिनय वाली फिल्म को बकवास करार देते हुए कहा कि इसे कोई नहीं देखेगा और न ही इस पर विश्वास करेगा। सांसद मसूद ने विशेष रूप से फिल्म में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नोटबंदी के फैसले को मास्टर स्ट्रोक के रूप में दिखाए जाने पर ऐतराज जताया।नोटबंदी को बताया अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक- सांसद इमरान मसूद ने मीडिया से बातचीत में कहा कि नोटबंदी का फैसला देश की अर्थव्यवस्था के लिए बेहद हानिकारक साबित हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस फैसले ने देश की कमर तोड़ दी थी। इसके विपरीत, फिल्म में इसे एक सफल कदम के तौर पर पेश किया गया है, जो सरासर गलत है।फिल्मों में ऐतिहासिक शख्सियतों को दिखाए जाने की मांग- सांसद ने सुझाव दिया कि यदि फिल्मों में किसी का महिमा मंडन करना ही है, तो पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को दिखाया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्मों में यह बताया जाना चाहिए कि कैसे इंदिरा गांधी ने अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन को जवाब दिया था। सरकार पर मुद्दों की कमी का आरोप- सांसद मसूद ने केंद्र सरकार पर देश के समक्ष मौजूद वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार के पास जनता के सामने रखने के लिए कोई ठोस मुद्दा नहीं है। नोटबंदी पर फिर छिड़ी बहस-धुरंधर टू की रिलीज और कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के बयान ने नोटबंदी जैसे संवेदनशील मुद्दे पर एक बार फिर बहस छेड़ दी है। फिल्म धुरंधर-2 को लेकर उनकी प्रतिक्रिया बॉलीवुड और राजनीति के बीच के जटिल संबंधों को भी दर्शाती है, जहां अक्सर ऐतिहासिक घटनाओं और राष्ट्रीय नीतियों को कलात्मक स्वतंत्रता के नाम पर अलग-अलग नजरियों से प्रस्तुत किया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

पत्नी को गोली मारकर पति हुआ फरार , घायल पत्नी अस्पताल में भर्ती

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा/ बरेली। शीशगढ़ में एक पति ने अपनी पत्नी पर गोली चला दी। पांच सौ रुपये के हिसाब-किताब को लेकर कहासुनी होने पर पति ने पत्नी को गोली मारकर घायल कर दिया। गोली महिला के कंधे पर लगी, जिसके बाद पति वहां से फरार हो गया। समय पर महिला के भाई ने वहां पहुंच बहन को अस्पताल भेजा। महिला के भाई की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में मिली जानकारी के अनुसार गांव कल्यानपुर मे विगत दिवस सुबह करीब 9ः00 बजे निशा अपनी ससुराल में ईद की तैयारियां कर रही थी। इसी दौरान उसका शौहर राशिद घर पहुंचा और तमंचा से फायर कर दिया। दोनों के बीच 500 रुपये के हिसाब को लेकर विवाद था। गोली निशा के बाएं कंधे में लगी और वह घायल होकर वहीं गिर पड़ी। निशा के शोर मचाने पर पड़ोस में ही रहने वाले उसके भाई मोनिश वहां पहुंचे तो राशिद हाथ में तमंचा लेकर वहां से भाग रहा था। उन्होंने घायल निशा को ले जाकर निजी अस्पताल में भर्ती कराया। इस बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गई।

इस मामले में निशा के भाई मोनिश की तहरीर पर निशा के पति राशिद के खिलाफ जानलेवा हमले की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। इंस्पेक्टर हरेंद्र सिंह ने इस मामले के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पति राशिद ने निशा को पांच सौ रुपये दिए थे। उसने कहा था कि दूध का हिसाब करके बाकी रुपये वापस कर दे। इन्हीं रुपयों के हिसाब-किताब को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई और राशिद ने तमंचे से गोली मारकर उसे घायल कर दिया। अस्पताल में भर्ती महिला की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। वहीं, आरोपी पति अभी फरार है।

पुलिस ने पशु तस्करों के गिरोह का किया खुलासा, छह आरोपी हुए गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा/ बरेली। हाफिजगंज थाना पुलिस ने पशु तस्करों के एक गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें चार आरोपी हिंदू समुदाय से और दो मुस्लिम समुदाय से हैं। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक हिंदू समुदाय के दो आरोपियों को करियर के रूप में पशुओं को लाने के लिए इस्तेमाल किया जाता था, ताकि उन पर पुलिस को संदेह न हो। गांव सावरखेड़ा में पिछले दिनों संरक्षित पशु का कटान किया गया था। इस गिरोह ने इस घटना को करने की बात भी कबूल कर ली है। गिरोह के सरगना हाफिजगंज के ही निवासी हैं जो मुस्लिम समुदाय से जुड़े हैं। आरोपियों ने बताया कि सावरखेड़ा के पास जंगली इलाका है जहां काफी झाड़ियां हैं। इनके साथी संरक्षित पशु को चोरी करके इन्हीं झाड़ियों में बांध देते थे और रात में वह लोग पशुओं को काटकर मांस वाहनों में भर ले जाते थे। धौराटांडा का एक आरोपी अभी पकड़ से बाहर है, पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

मां-बेटी का भावुक मिलन: मेले में बिछड़ी मासूम को पुलिस ने सकुशल मिलाया

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत । पीलीभीत जनपद के करेली थाना क्षेत्र स्थित गांव लिलहर मेले में उस समय भावनाओं का सैलाब उमड़ पड़ा, जब गुम हुई एक मासूम बच्ची को सकुशल उसकी मां से इस मार्मिक मौजूद लोगों कर दीं। प्राप्त अनुसार, मासूम शगुन, (जनपद उत्तराखंड), अपनी मां राखी के साथ मेले में आई थी। मेले की भारी भीड़ के बीच अचानक शगुन अपनी मां से बिछड़ गई। बेटी के अचानक लापता होने से मां का रो-रोकर बुरा हाल हो गया और वह बदहवास होकर हर ओर अपनी बच्ची को तलाशने लगी। घटना की सूचना मिलते ही करेली थाना पुलिस और महिला सुरक्षा टीम ने तत्परता दिखाते हुए पूरे मेले में सघन तलाश अभियान शुरू किया। पुलिस की मुस्तैदी और सक्रियता का परिणाम रहा कि कुछ ही समय में मासूम शगुन को सुरक्षित ढूंढ लिया गया। जब पुलिस ने शगुन को उसकी मां के सुपुर्द किया, तो मां ने उसे सीने से लगा लिया। मां-बेटी के इस भावुक मिलन ने वहां मौजूद हर व्यक्ति को भावुक कर दिया। मां राखी ने आंसुओं भरी आंखों से पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया। इस सराहनीय कार्य में थाना अध्यक्ष विपिन शुक्ला, एमएम प्रभारी श्री कृष्ण, महिला कांस्टेबल मुन्नी, कांस्टेबल आशुतोष राणा, यशवीर सिंह और सनी की अहम भूमिका रही।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

भीषण सड़क हादसे में एक 5 वर्षीय बच्ची की दर्दनाक मौत

क्यूँ न लिखूँ सच/श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद- जिले के इटावा-बरेली हाईवे पर शनिवार रात एक भीषण सड़क हादसे में एक 5 वर्षीय बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसकी मां और दो बहनें गंभीर रूप से घायल हो गईं। यह हादसा तब हुआ जब उनकी वैगनआर कार आगे चल रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई, जिस पर बिजली के पोल लदे हुए थे। टक्कर इतनी भयंकर थी कि पोल कार के आगे का शीशा तोड़ते हुए पीछे की डिग्गी से बाहर निकल गए। बिना इंडिकेटर दिए मोड़ा ट्रैक्टर, अंधेरे में हुआ हादसा जानकारी के अनुसार, शमशाबाद थाना क्षेत्र के रोशनाबाद निवासी निहाल खान (30) अपनी पत्नी शबनम (27) और तीन बेटियों - अनविया (5), इनाया (5) और अयात (2) के साथ कार से अपने ससुराल कमालगंज जा रहे थे। निहाल दिल्ली में पेशे से ड्राइवर हैं। उन्होंने बताया कि रात करीब 8 बजे कादरी गेट थाना क्षेत्र के अंतर्गत इटावा-बरेली हाईवे पर उनके आगे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली चल रही थी। हाईवे पर काफी अंधेरा था। इसी बीच ट्रैक्टर चालक ने बिना इंडिकेटर दिए अचानक दूसरी सड़क की ओर कट मार दिया, जिससे पीछे से आ रही उनकी कार अनियंत्रित होकर ट्रॉली पर लदे बिजली के पोलों में जा घुसी। बाल-बाल बचे पिता, ट्रैक्टर चालक फरार- हादसे के तुरंत बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। टक्कर की आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर दौड़े और पुलिस को सूचना दी। लोगों ने कार के दरवाजे खोलकर घायलों को बमुश्किल बाहर निकाला और तुरंत लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंचाया। डॉक्टरों ने 5 वर्षीय इनाया को मृत घोषित कर दिया। इस हादसे में कार चला रहे पिता निहाल को खरोंच तक नहीं आई, लेकिन उनकी पत्नी शबनम और दोनों अन्य बेटियां बुरी तरह घायल हो गईं। घायल हायर सेंटर रेफर- मामले की जानकारी मिलते ही सीओ सिटी ऐश्वर्या उपाध्याय सहित अन्य पुलिस अधिकारी लोहिया अस्पताल पहुंचे। सीओ सिटी ने बताया कि घटना शनिवार रात 8 बजे की है। गंभीर रूप से घायल पत्नी और एक बच्ची की नाजुक स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है और फरार ट्रैक्टर चालक की तलाश की जा रही है।

लगभग 40 साल के लंबे इंतजार के बाद, कॉलोनी में सीवर लाइन की सफाई का काम आखिरकार शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच/श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद- शहर की आवास विकास कॉलोनी के निवासियों के लिए एक बड़ी राहत की खबर है। लगभग 40 साल के लंबे इंतजार के बाद, कॉलोनी में सीवर लाइन की सफाई का काम आखिरकार शुरू हो गया है। इस महत्वपूर्ण कार्य पर 82 लाख रुपये की लागत आने का अनुमान है। नगर पालिका 15वें वित्त आयोग से प्राप्त धनराशि का उपयोग कर यह कार्य करा रही है, जिसका जिम्मा अलीगढ़ की एक फर्म को सौंपा गया है। बरसों पुरानी समस्या से मिलेगी निजात- कॉलोनी में करीब 7764 मीटर लंबी सीवर लाइन बिछी हुई है, जिसमें 750 एमएम से लेकर 150 एमएम तक के पाइप शामिल हैं। चार दशक पुरानी होने के कारण यह लाइन अधिकांश जगहों पर पूरी तरह से चोक हो चुकी थी। इसके परिणामस्वरूप, बारिश के मौसम में सीवर का गंदा पानी अक्सर घरों में घुस जाता था, जिससे स्थानीय लोग कई वर्षों से भारी परेशानी का सामना कर रहे थे। 25-30 साल तक जलभराव से मुक्ति का दावा- स्थानीय लोगों की इस पुरानी समस्या को देखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष वत्सला अग्रवाल ने 15वें वित्त आयोग के फंड से इस सफाई कार्य को कराने का निर्णय लिया। जिलाधिकारी से स्वीकृति मिलने के बाद अब काम ने रफ्तार पकड़ ली है। पालिका अध्यक्ष के पति और पूर्व एमएलसी मनोज अग्रवाल ने दावा किया है कि 40 साल में पहली बार हो रही इस व्यापक सफाई के बाद, अगले 25 से 30 सालों तक कॉलोनी में सीवर चोक होने या बारिश में जलभराव की कोई समस्या नहीं होगी। कचरा निस्तारण में कार्यदायी संस्था की लापरवाही उजागर- एक तरफ जहाँ सफाई कार्य से लोगों में खुशी है, वहीं दूसरी तरफ कचरा निस्तारण को लेकर बड़ी लापरवाही भी सामने आ रही है। पूर्व एमएलसी मनोज अग्रवाल के अनुसार, सीवर लाइन से निकलने वाले कचरे को अमेठी कोहना स्थित एफएसटीपी (फेकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट) में भेजा जाना था। हालांकि, जमीनी स्तर पर कार्यदायी संस्था के जिम्मेदार लोग नियमों की अनदेखी करते हुए एलआईसी कार्यालय के पास स्थित नाले में ही कैप्सूल भरकर सीवेज फेंक रहे हैं, जो क्षेत्र में नई बीमारियों और गंदगी का कारण बन सकता है।

पीएम मोदी ने रचा इतिहास: भारत में सबसे लंबे समय तक सरकार चलाने वाले नेता बने, पवन चामलिंग को भी छोड़ दिया पीछे

भारत की राजनीति में एक नया इतिहास रचते हुए पीएम नरेंद्र मोदी अब देश के सबसे लंबे समय तक सरकार चलाने वाले नेता बन गए हैं। उन्होंने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग को पीछे छोड़ दिया है। गुजरात के मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री तक उनका सफर लगातार जीत, मजबूत नेतृत्व और राजनीतिक स्थिरता की मिसाल बनकर उभरा है। भारत की राजनीति में एक बड़ा इतिहास रचते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब देश के सबसे लंबे समय तक सरकार चलाने वाले नेता बन गए हैं। उन्होंने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। देखा जाए तो यह उपलब्धि केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि दशकों तक लगातार नेतृत्व, जनसमर्थन और राजनीतिक स्थिरता की कहानी भी है। पीएम मोदी अब तक कुल 8931 दिन सरकार के मुखिया (हेड ऑफ गवर्नमेंट) के रूप में काम कर चुके हैं।इसमें उनका गुजरात के मुख्यमंत्री और भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल शामिल है। इससे पहले यह रिकॉर्ड पवन कुमार चामलिंग के नाम था, जिन्होंने 8930 दिन तक सिक्किम के मुख्यमंत्री के तौर पर यह जिम्मेदारी संभाली थी। पीएम मोदी की यह उपलब्धि भारत के राजनीतिक इतिहास में एक बड़ा मील का पत्थर मानी जा रही है।गुजरात के लंबे समय तक सीएम रहे, फिर बने पीएम- बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी ने 7 अक्तूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। वह लंबे समय तक इस पद पर बने रहे और अपने कार्यकाल में कभी चुनाव नहीं हारे। साल 2014 में प्रधानमंत्री पद के लिए नाम सामने आने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। गुजरात के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने 2014 में लोकसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल कर प्रधानमंत्री पद संभाला। इसके बाद 2019 और 2024 में भी उन्होंने लगातार जीत दर्ज की। खास बात यह है कि अपने पूरे राजनीतिक करियर में उन्होंने अब तक कोई बड़ा चुनाव नहीं हारा है।पीएम मोदी ने अपने सफर को किया याद- न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक पीएम मोदी ने अपने सफर को याद करते हुए बताया कि जब उन्होंने 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में काम शुरू किया, तब राज्य कई बड़ी मुश्किलों से गुजर रहा था। गुजरात भूकंप, चक्रवात, सूखा और राजनीतिक अस्थिरता जैसी समस्याओं से जूझ रहा था। उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों ने उन्हें और मजबूत बनाया और उन्होंने राज्य को आगे बढ़ाने के लिए पूरी ताकत लगा दी। उन्होंने अपनी मां की एक सीख का भी जिक्र किया, गरीबों के लिए काम करना और कभी रिश्वत न लेना, जैसी सीख को उन्होंने अपने जीवन का मार्गदर्शन बताया। पीएम मोदी ने बताई गुजरात की बात- पीएम मोदी के अनुसार, उनके कार्यकाल में गुजरात ने कृषि, उद्योग और इंफ्रास्ट्रक्चर में काफी तरक्की की और एक मजबूत राज्य के रूप में उभरा। उन्होंने यह भी कहा कि 2014 में जब उन्हें प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया गया, तब देश में भरोसे का संकट था, लेकिन जनता ने उन्हें मजबूत समर्थन दिया।प्रधानमंत्री के तौर पर पीएम मोदी- इसके साथ ही पीएम मोदी ने दावा किया कि पिछले 11 वर्षों में 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर आए हैं और भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में एक मजबूत देश बनकर उभरा है। पीएम मोदी ने महिलाओं (नारी शक्ति), युवाओं और किसानों के सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि देश की सेवा करना उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान है। उन्होंने विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। अमित शाह ने पीएम मोदी की दशकों की सेवा को बताया नए भारत की नींव- केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बताया अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और लंबे सार्वजनिक जीवन की जमकर सराहना की है। दशकों की सेवा ने भारत में एक नया दौर शुरू किया है। उन्होंने गरीबों को अधिकार दिलाने, विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने और दुनिया में भारत की छवि मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने यह भी कहा कि नए भारत के निर्माण के लिए पीएम मोदी ने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया है और पिछले 24 साल से अधिक समय से बिना छुट्टी लिए देश की सेवा कर रहे हैं। अमित शाह ने बताया कि पीएम मोदी को जनता का अपार प्यार और समर्थन मिला है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने दी पीएम मोदी को बधाई-रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी को देश में सबसे लंबे समय तक सरकार चलाने वाले नेता बनने पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का पूरा जीवन देश और जनता की सेवा को समर्पित रहा है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनकी प्रतिबद्धता से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में उनके नेतृत्व तक, उनका सफर लगातार सेवा और समर्पण का उदाहरण है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सिंह ने बताया कि पीएम मोदी ने 8,931 दिन तक सरकार के मुखिया के रूप में काम कर पूर्व सिक्किम मुख्यमंत्री पवन चामलिंग का 8,930 दिनों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। उन्होंने इसे एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह राष्ट्र पहले की सोच, ईमानदारी और हर नागरिक के लिए निरंतर सेवा का प्रतीक है।

संक्षिप्त समाचार

आकाशीय बिजली गिरने से 50 वर्षीय युवक की हुई मौत

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती में सुबह सवेरे अचानक मौसम ने इस कदर अपने मिजाज को बदला की देखते ही देखते आसमान में काली घटा छा गई और बारिश शुरू हो गई। इसी बीच थाना सिरसिया क्षेत्र अंतर्गत बभनी कुकर भुकवा निवासी 50 वर्षीय अनिरुद्ध पुत्र स्वामी दयाल जो खेत में कृषि कार्य हेतु गया था तभी अचानक आकाशीय बिजली गिरने से गंभीर रूप से झुलस गया। सूचना पाते ही परिजन उसे संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा ले गए जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया वही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस हादसे से परिवार में कोहराम मच गया।

24 मार्च को जिलेभर में होगा विद्या आरंभ प्रमाण पत्र वितरण एवं प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा- कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता कांसवा के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा 24 मार्च को जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में विद्या आरंभ प्रमाण पत्र वितरण एवं प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। विद्या आरंभ कार्यक्रम के लिए घर-घर जाकर पीले चावल देकर आमंत्रित किया इस आयोजन के अंतर्गत जिले के लगभग 17 हजार 5 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को ग्रेजुएशन सेरेमनी के रूप में विद्या आरंभ प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र में बाल चौपाल का आयोजन किया जाएगा, जहां आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित करेंगे तथा उन्हें स्कूल शिक्षा में प्रवेश के लिए प्रेरित करेंगे।

यह आयोजन बच्चों के आंगनवाड़ी से स्कूल शिक्षा की ओर संक्रमण को उत्सव के रूप में मनाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। शासन के निर्देशों के तहत इस कार्यक्रम का आयोजन आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षकों के संयुक्त सहयोग से किया जाएगा। कार्यक्रम में बच्चों, अभिभावकों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए इसे उत्साहपूर्ण एवं समागमपूर्ण वातावरण में मनाया जाएगा। इस अवसर पर बच्चों में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाने, उन्हें नियमित विद्यालय से जोड़ने एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव मजबूत करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को विद्यालयीन शिक्षा के लिए तैयार करना एवं उनमें सीखने की उत्सुकता विकसित करना है।

बाइक रैली में बुलेट पर सवार होकर निकलीं एसएसपी अंकिता शर्मा, महिला सशक्तिकरण का दिया संदेश

बदायूं में मिशन शक्ति अभियान के तहत पुलिस ने रविवार को बाइक रैली निकाली। रैली में एसएसपी अंकिता शर्मा भी बुलेट बाइक पर सवार होकर निकलीं। रैली से महिला सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण का संदेश दिया। बदायूं में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत पुलिस ने रविवार को शहर में बाइक रैली निकालकर जन जागरूकता का संदेश दिया। रैली में एसएसपी अंकिता शर्मा ने भी बुलेट बाइक चलाकर शहर का भ्रमण किया और महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अंकिता शर्मा के निर्देशन में रिजर्व पुलिस लाइन से शुरू हुई इस रैली में मिशन शक्ति टीम और एंटी रोमियो टीम के पुलिसकर्मियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी, जहां आमजन को महिलाओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।हेल्पलाइन नंबरों की दी गई जानकारी - इस दौरान महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, आत्मरक्षा के उपायों तथा आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 112, 1090 और 1098 की जानकारी भी दी गई। रैली को लोगों का व्यापक समर्थन मिला और सभी ने महिला सुरक्षा के इस अभियान की सराहना की। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम आगे भी लगातार आयोजित किए जाएंगे, जिससे समाज में सुरक्षा और विश्वास का माहौल मजबूत हो सके। इस दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा शहर के प्रमुख मार्गों पर रैली निकालकर आमजन को महिलाओं के प्रति सम्मानजनक एवं संवेदनशील व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। लोगों ने सरकार की इस पहल की सराहना करते हुए महिला सशक्तिकरण के इस अभियान में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया।

These 6 newborn habits scare new parents, but they're completely normal.

Hiccups, sneezing, irregular breathing, frequent feedings, and sleep noises are common in newborns. These are part of their development and, in most cases, nothing to worry about.

Becoming a parent for the first time is a wonderful experience, but it also comes with many concerns, especially when a newborn baby makes some unusual movements. New parents observe and understand every movement of their baby for the first time, but sometimes their actions frighten them. Many newborn habits may seem strange at first, but most are completely normal. However, you should understand these habits so you can handle them without panicking. The truth is that many of babies' habits are completely normal and part of their development. With the right information, you can avoid unnecessary worry and better care for your baby. Let's explore some of the newborn habits that worry new parents. Frequent hiccups - Newborns often experience hiccups. This is normal. There are reasons for hiccups. This is a sign of the developing diaphragm (respiratory muscle). Hiccups strengthen the baby's breathing muscles. This means it's completely normal, and there's no need to worry. Continuous sneezing - Does your little one sneeze frequently? Don't worry, this isn't a sign of a cold, but rather a natural way to clear the small nasal passages. Sneezing is a way for a baby to clear the airways. Irregular breathing - If you've noticed, sometimes your baby will breathe heavily, then pause for a few seconds, then resume breathing rapidly. If you're worried about this irregular breathing, first understand its causes. This is called periodic breathing. The baby's lungs are still learning to breathe. Their breathing pattern is a sign of this. This is normal in the early months. Frequent feedings - Does the baby demand milk frequently, especially at night? Actually, during a growth spurt, more milk is needed. This helps increase the mother's milk supply. This is a sign of the baby's healthy development. Sudden startles - Does the baby suddenly startle by stretching out their arms and legs? This is called the Moro reflex. This is normal for 3-4 months. Simply put, it's part of the baby's nervous system development. Making noises while sleeping - Don't be alarmed if the baby grunts, groans, or makes soft noises while sleeping. A young child's airways are not fully developed, so they make these cute sounds while sleeping. This is completely normal. When should you consult a doctor? If you experience prolonged breathing problems, a high fever, refusal to feed, persistent crying, or lethargy, consult a doctor immediately. Important tips for new mothers: Don't panic over every little thing. Understand your baby's patterns. Schedule regular checkups. Give yourself some rest.

Are you getting stale or stale food on the train? Now you can check it using a QR code.

You will now be able to find out how old the food you're served on the train is. IRCTC has introduced a QR code facility for this purpose. Every day, a large number of people travel by train

to reach their destinations. Trains offer facilities ranging from general to AC coaches. You also get comfortable seats and toilet facilities. In addition, passengers are also provided with food. However, passengers often complain about the food. They often complain about the food being served, ranging from inadequate food to stale or stale food. But this will no longer be the case. IRCTC has now introduced a QR code facility that will allow you to check how old the food is. Let us know how. What is the QR code scan facility? - Every food packet that you get in the train will have a QR code on it. As soon as you scan this QR code on the packet, all the information about the food will appear on your mobile. What information about the food packet will you get by scanning the QR code? Installing QR code means that passengers get all the information about the food - By scanning the QR code, you can know when the food was cooked, when the food was packed, etc. Safety supervisor for base kitchen - According to a statement issued by IRCTC, it has been made mandatory for all authorized vendors, helpers and staff working in the train to have ID cards with QR code made in their name. This will provide information about which vendor is authorized and which is not authorized. Food safety supervisors will also be deployed in the base kitchen to keep an eye on the food quality. Preparations for advanced kitchen: IRCTC has also decided to start advanced kitchens. CCTV cameras will be installed in these kitchens. This will enable monitoring of other things besides cooking.

Protein shakes are a top choice for gym goers. Find out if they're beneficial or harmful.

A healthy adult needs approximately 0.8 grams of protein per kilogram of body weight. Do you take protein shakes to meet your protein needs? Is it beneficial or harmful? Let's find out.

Maintaining a healthy diet is crucial for maintaining a healthy body. We need a variety of nutrients regularly to ensure proper functioning of the body. Protein is one of the most essential nutrients for our body. It helps build muscles, skin, hair, nails, enzymes, and hormones. A healthy adult needs approximately 0.8 grams of protein per kilogram of body weight. People who don't get enough protein are more likely to experience weakness, muscle loss, and immune-related problems. People take protein shakes to meet their protein needs, and they're especially a favorite among gym goers. Are protein shakes truly beneficial? Let's understand this. First, let's understand the functions of protein. If you think protein only builds muscles, you'd be wrong. It's vital for the body in many ways. Protein plays a crucial role in building and repairing muscles. Muscles break down after exercise, and protein repairs them. This is why gym-goers love protein shakes. Protein keeps the stomach feeling full for a long time, preventing frequent hunger pangs. Therefore, it can aid in weight loss. Protein also produces antibodies that help fight infections. Is it okay to take a protein shake? Nutritionists say there are two types of protein shakes: commercially available protein powders and homemade shakes. If your diet contains adequate sources of protein like lentils, cheese, eggs, milk, soy, chickpeas, kidney beans, or nuts, there's no need for a separate protein shake. However, athletes and those who work hard require more protein and can consult a doctor or dietitian. However, consuming a balanced, natural source is considered the best option. Can you take a protein powder shake? Protein powders available on the market have been found to be harmful to health in numerous studies. In one study, researchers examined 134 products and found that many protein powders may contain heavy metals (lead, arsenic, cadmium, and mercury), bisphenol-A (BPA, used to make plastics), and several other harmful substances. Protein powders may also contain steroids, which pose a serious risk for health. Consuming too much protein can put additional strain on the kidneys, especially for those with pre-existing kidney disease. Protein powders often contain added sugar, artificial sweeteners, flavors, and preservatives, which can exacerbate digestive problems. Healthy protein is a good option: If you need additional protein, increase your intake of natural sources. Milk, yogurt, cheese, eggs, lentils, chickpeas, kidney beans, soybeans, and peanuts are considered good and safe sources. To make a healthy protein shake at home, you can mix milk or yogurt with banana, peanut butter, soaked almonds, chia seeds, or oats. This will provide you with protein, fiber, vitamins, and minerals. If you choose to take a protein supplement, choose a reputable brand and be sure to check the label for sugar, additives, and steroids.

Why did Shruti Haasan's love life go off track? She said, "Everyone in our industry is in the same situation."

Actress Shruti Haasan, daughter of veteran actor Kamal Haasan, appears in Bollywood and South Indian films. She has played many diverse roles. Recently, the actress spoke about her love life. Shruti Haasan's name has been linked with several actors, but none of the relationships reached fruition. Recently, during an interview, the actress shared many things about her love life. Why is her love life not moving forward? What did Shruti Haasan say about her love life? In a recent interview with Mashable India, Shruti said, "My love life is long-dated. Sometimes it's shooting songs, sometimes films. Whenever I get a break, the other person has to live their own life." Look, almost everyone in our industry is in the same situation. Shruti doesn't speak Telugu fluently, so she says in an interview that she would date a Telugu boy, and if she talked to him, she would learn the language. She describes herself as a homely girl. Shruti Haasan further explained in the interview that when she is in love, she becomes a complete homely girl. She says, "I feed my partner first, shower him with love. If he has a fever, I take care of him. But I do all this for that person, so he gives importance to my feelings." Despite saying all this, Shruti did not reveal who she is dating. Shruti Haasan will be seen in several films this year. Speaking of Shruti Haasan's career, she appeared in Rajinikanth's film "Coolie" last year. This year, she will be seen in films like "Train" and "Salaar 2." She will be seen opposite Prabhas in 'Salaar 2'.

Audiences loved "Chiraiya," saying it was a great story; find out why it's a must-see.

Since the release of the web series "Chiraiya," audiences have been relishing its story. Internet users are offering their own opinions. Divya Dutta's web series "Chiraiya" has been released on the OTT platform. The series tackles the sensitive issue of rape within the marital circle. However, most viewers are liking the series, and internet users are also sharing their personal reviews. Read here about the reactions "Chiraiya" is receiving online. A Sensitive Story Leads a Hard Lesson The web series "Chiraiya" tackles a societal issue that most people hesitate to discuss. This immersive story, which begins with rape within the marital circle, travels through many waters, highlighting issues facing women, including LGBT issues, dowry harassment allegations, and discrimination. In the web series, a wife is left alone after her husband accuses her of rape. Her sister-in-law becomes her biggest strength and supports her. The internet has been receiving varied reactions: After the web series "Chiraiya" was released on OTT platforms, users shared their opinions. One user tweeted, "This film shocks us to our core." Another user wrote, "After watching this series, I couldn't stop myself from posting. The film is beautifully written by Divya Nidhi Sharma and superbly directed by Shashant Shah. Thank you to bring such an important topic to the fore." Another user added, "A story that questions everything. The web series 'Chiraiya' challenges deeply held beliefs. Viewers should watch it and decide themselves." Another user wrote, "I for just watched the web series 'Chiraiya.' It highlights a very important issue: women's consent." Additionally, it highlights many patriarchal behaviors still prevalent in society, which are extremely detrimental to women. This series isn't directed against men, but rather against the negative mindsets prevalent in society. 'Chiraiya' questions the male-dominated mindset of society and presents it effectively. Although it's a somewhat sentimental story, it serves as a journey to expose the backward thinking that still exists in the modern world. Divya Dutta's brilliant performance is a key highlight of this series. The film 'Chiraiya' is a complete remake of a Bengali web series. While it conveys a positive message to society, it deviates from its original story by exposing too much. The cast is excellent – ??along with Divya Dutta, actors like Siddharth Shaw, Faisal Rashid, Tinnu Anand, and Anjum Saxena are part of the series. Their performances make the story feel more real. This creates a genuine family atmosphere and allows the audience to connect with the story.

Khushi Kapoor and Nimrat Kaur dazzled on the ramp, Manish Malhotra canceled his show for this reason.

Ananya Panday recently walked the ramp at a Mumbai fashion week. Khushi Kapoor and Nimrat Kaur also walked the ramp on Saturday. Designer Manish Malhotra has canceled his show for a specific reason. These days, many Bollywood actresses are appearing at Mumbai's popular fashion week, becoming showstoppers for renowned designers. Khushi Kapoor and Nimrat Kaur also walked the ramp on Saturday, both with unique looks. Designer Manish Malhotra's show was also scheduled for this fashion week, but it has now been canceled. Find out why. Manish Malhotra's show was canceled for this reason: A social media post shared the news that Manish Malhotra's fashion show scheduled for Saturday has been canceled. It's worth noting that designer Manish Malhotra's mother passed away a few days ago. At this time he is going through an unbearable grief, in such a situation it is not possible for him to do a fashion show. Now in his place fashion lovers will get to see Anurag Gupta's show. Khushi Kapoor seen in traditional attire - Khushi Kapoor also walked the ramp in Mumbai's fashion week. She was seen in traditional attire. Her dress has been designed by Ayesha Rao. Khushi is looking very beautiful in lehenga dress. Before this also she has walked the ramp in many fashion weeks. Nimrat Kaur told the fashion mantra - Nimrat Kaur also wore a party wear inspired dress for the ramp walk. She also told her fashion funda. She says that you should wear dresses according to your body type, only then you can look good.